सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 270 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 14 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

यूपी में पोस्टर वार, सपा नेताओं में आक्रोश

लखनऊ। मथुरा-वृंदावन में मंगलवार सुबह एक विवादित होर्डिंग सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया। इस होर्डिंग में समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को धर्म विशेष की टोपी में दर्शाया गया है, जिस पर आपत्तिजनक नारे भी लिखे हैं। सपा के खिलाफरातों-रात ये पोस्टर वॉर शुरू हो गया। जानकारी मिलते ही सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश का माहौल है। सुबह करीब 7 बजे सामने गोवर्धन चौराहे के निकट लोगों ने अखिलेश व उनके पिता मुलायम सिंह के सिर पर धर्म विशेष की टोपी लगे हुए बैनर देख। लोगों ने इस बैनर को मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया।

छत्तीसगढ़ में लगा बारिश पर ब्रेक, कल से अच्छी बारिश के आसार

रायपुर। जुलाई को छत्तीसगढ़ में मानसून का सबसे सक्रिय दौर माना जाता है, लेकिन इस बार मानसून में ब्रेक लगने से पूरे प्रदेश में बारिश थम गई। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे में प्रदेश के किसी भी हिस्से में बारिश नहीं हुई। वहीं 1 जून से अब तक प्रदेश में सामान्य से 26त्न कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यह स्थिति 'ब्रेक मॉनसून' की है। इसमें मानसूनी सिस्टम कमजोर पड़ जाते हैं और बारिश देने वाले सिस्टम राज्य से दूर चले जाते हैं। इसकी वजह से एक-दो दिन तक पूरे प्रदेश में बारिश लगभग रुक जाती है। हालांकि राहत की खबर यह है कि कल यानी 15 और 16 जुलाई से बारिश की एक्टिविटी फिर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने कुछ स्थानों पर भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट भी जारी किया है।

ईरानी हमले में भारतीय की मौत, डिप्लोमेट तलब

नईदिल्ली। ईरान के होर्मुज में हालिया हमलों में एक भारतीय की मौत हो गई, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर ईरानी मिशन से जवाब मांगा और गंभीर चिंता भी जताई। दरअसल, होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने,श्व के दो तेल टैंकरों पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। UAE के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस हमले में 6 भारतीयों समेत 8 लोग भी घायल हैं। वहीं, अमेरिका ने भी ईरान पर बड़े पैमाने पर जवाबी सैन्य कार्रवाई की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, करीब पांच घंटे तक चले हमलों में बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ श्रीगंगानगर से मणिपुर तक बनी हुई है। साथ ही बंगाल की खाड़ी एक साइक्लोन भी एक्टिव है।

कल से बदल जाएगा आईआरसीटीसी वेबसाइट, दावा- यूजर्स को मिलेगी फास्ट सर्विस

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे की टिकटिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी 15 जुलाई को अपनी नई वेबसाइट लॉन्च करने जा रहा है। नई वेबसाइट में कई नए फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि नई वेबसाइट लॉन्च होने के बाद यूजर्स को फास्ट सर्विस के साथ बेहतर अनुभव मिल सकेगा। आसान टिकटिंग के साथ पेमेंट मोड आसान होगा जिससे यूजर्स के लिए वेबसाइट पर टिकट बनाना और भी आसान हो जाएगा।

बता दें बीते जून महीने में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव राजस्थान के जयपुर स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में छात्रों से संवाद करने के लिए पहुंचे थे। यहां छात्रों से संवाद के दौरान एक छात्रा ने रेल मंत्री से कहा था कि, ऑनलाइन टिकट बुकिंग के दौरान आईआरसीटीसी की वेबसाइट हैंग हो जाती है। इसके बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि रेलवे 15 जुलाई 2026 को आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट लॉन्च करेगा।

नई वेबसाइट में यह हो सकते हैं बदलाव

- अभी तक आप जो केप्चा कोड़ भरते हैं, नए इंटरफेस में ऐसा कुछ नहीं होगा
- कैप्चा की जगह एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर्स जोड़े जा सकते हैं
- इससे कैप्चा भरने का झंझट खत्म होगा
- नई वेबसाइट ऐसी होगी जो कम इंटरनेट स्पीड पर भी तेज चलेगी
- साथ ही वेबसाइट का इंटरफेस बहुत ही क्लीन और लाइटवेट होगा
- पेमेंट करने के ऑप्शन को बेहतर किया गया है
- नई वेबसाइट में आपको पेमेंट ऑप्शंस सामने ही मिलेंगे
- पीक ऑवर्स में वेबसाइट को क्रैश से बचाने के लिए भी इंतजाम किए जाएंगे
- नए इंटरफेस में आपको एक ही स्क्रीन पर ट्रेनों की लिस्ट, सीट अवेलेबिलिटी और किराया साफ-साफदिख जाएगा
- तत्काल ट्रेन टिकट बुक करते समय दिक्कत न हो इसके लिए भी व्यवस्था की गई है
- नई वेबसाइट के सर्वर को बेहतर किया गया है ताकि तत्काल ट्रेन टिकट बुक होने में कोई दिक्कत न हो

छत्तीसगढ़ को मिले पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेज, एनएमसी से 250 सीटों की मिली मंजूरी

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मेडिकल पड़ने की इच्छा रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए खुशखबरी है। छत्तीसगढ़ के पांच जिलों में पांच नए मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति मिल गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से गीदम (दंतेवाड़ा), कुनकुरी (जशपुर), मनेन्द्रगढ़, जांजगीर-चांपा एवं कबीरधाम में 50-50 एमबीबीएस सीटों वाले 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में एक साथ कुल 250 नई एमबीबीएस सीटों का विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास का ऐतिहासिक पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में स्वास्थ्य और शिक्षा सबसे बड़ी पूंजी हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसा सुदृढ़, समावेशी और आधुनिक स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना है, जहाँ प्रदेश का कोई भी युवा डॉक्टर बनने के अपने सपने से वंचित न रहे और किसी भी नागरिक को बेहतर उपचार के लिए दूर-दराज़ के शहरों का रुख न करना पड़े।

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन

सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन ला रही है। प्रदेश के दूरस्थ, आदिवासी और आकांक्षी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और क्षेत्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी व्यापक सुधार आएगा। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के प्रति समस्त छत्तीसगढ़वासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अधोसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है।

डबल इंजन की सरकार में अंतिम छोर तक विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे गीदम (दंतेवाड़ा) से लेकर उत्तर छत्तीसगढ़ के आदिवासी वनांचल कुनकुरी (जशपुर) तक नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन सरकार विकास के अवसरों को प्रदेश के अंतिम छोर तक पहुँचा रही है। यह केवल नए संस्थानों की स्थापना नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और दूरस्थ अंचलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत नींव रखने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

अंकुश ने किया भगवान जगन्नाथ की सबसे छोटी प्रतिमा का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुप्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन ने भगवान जगन्नाथ की दुनिया में सबसे छोटी मूर्ति का निर्माण किया है। उन्होंने उंगली के छोटे से नाखून पर जगन्नाथ, बालभद्र तथा देवी सुभद्रा की मूर्ति को स्थापित किया है। तथा छत्तीसगढ़ को माओवाद से मुक्त करने के लिए प्रभु को धन्यवाद दिया है, साथ ही देश में अच्छे वर्षा की कामना भी की है। यह मूर्तियां मात्र आधे सेन्टीमीटर छोटी है।

ज्ञात हो कि अंकुश देवांगन 1985 से छोटी मूर्तियां तथा चांवल के छोटे-छोटे दानों पर चित्रों का निर्माण करते आ रहे हैं। जिसकी प्रदर्शनी वे बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विगत 36 वर्षों से कर रहे हैं। ताकि बच्चों में सृजनशीलता का विकास हो और वे हिंसा के रास्ते में न जाएं। जिसका सदैव ही उचित प्रतिफल प्राप्त हुआ है।

उनकी कला को देखने गांवों में त्यौहार सा माहौल बन जाता है। बहरहाल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के सिलसिले में बनाए गए इस सूक्ष्मतम मूर्तियों में उनकी भावभंगिमाएं स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रही है। इन मूर्तियों का निर्माण वे संगमरमर पत्थर को तराशकर करते हैं। वर्तमान में वे भिलाई इस्पात संयंत्र के मेडिकल विभाग में कार्यरत हैं। वे छत्तीसगढ़ के प्रथम कलाकार हैं जिन्हें भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने ललित कला अकादमी, नई दिल्ली की मानद सदस्यता दी है। जहां वे इसके बोर्ड मेंबर हैं।

एक लाख के इनामी मुस्तफिजुल का एसटीएफ ने किया एनकाउंटर

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम के साथ सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी मुस्तफिजुल रहमान उर्फ बाबू मारा गया। इस दौरान मुख्य आरक्षी महेंद्र सिंह भी गोली लगने से घायल हो गए। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे रामनगर करजहा से कुशीनगर लेन के पास एसटीएफ और पुलिस की टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आजमगढ़ के मेहनगर खुन्दनपुर निवासी मुस्तफिजुल का पुलिस से सामना हो गया। उसने भागने की कोशिश की तो टीम ने उसका पीछा किया। इस पर उसने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें मुख्य आरक्षी महेंद्र सिंह घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुस्तफिजुल के भी पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। दोनों को जिला

अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात मुस्तफिजुल की मौत हो गई। मौके से पुलिस ने 32 बोर की एक पिस्टल, एक बाइक और भारी मात्रा में खोखा और कारतूस बरामद किए। मुस्तफिजुल के खिलाफ कई राज्यों में हत्या, हत्या के प्रयास सहित गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2024 में वह महाराष्ट्र पुलिस की हिरासत से भी फरार होने में कामयाब हो गया था।

बेअदबी के आरोपी का धड़ से अलग कर दिया सिर

मंडी। यहां के गांव तुरां में सोमवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात में छह वर्ष पहले श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के आरोपी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मेवा सिंह (45) पुत्र महेंद्र सिंह निवासी गांव तुरां के रूप में हुई है। हमलावर ने धारदार तलवार से कई वार किए, जिससे मेवा सिंह का सिर धड़ से अलग हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वारदात सोमवार रात करीब दो बजे हुई। बताया जा रहा है कि उस समय मेवा सिंह अपने घर में परिवार के साथ मौजूद था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति घर में दाखिल हुआ और उस पर तलवार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर हमले के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

भिलाई के आत्मानंद स्कूल में अजीब घटना, अचानक चीखने-चिल्लाने लगीं छात्राएं, 3 दिन में 8 केस

■अस्पताल पहुंचने पर हुए नॉर्मल, मेडिकल रिपोर्ट भी सामान्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के आत्मानंद स्कूल में 2 छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। एक छात्रा अजीब हरकतें करने लगी और चीखने-चिल्लाने लगी। उसके हाथ-पैर अकड़ने लगे। आंख से आंसू निकलने लगे। इसके बाद दोनों छात्राएं बेहोश हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। एक छात्रा को सिकलिन की समस्या निकली, वहीं दूसरी की पूरी रिपोर्ट नॉर्मल आई।

पिछले 3 दिनों में ऐसे 8 केस सामने आए हैं। मामला खम्हरिया स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल (सेजेस) का है। कक्षा 9वीं-ए में 3 दिन पहले 5 छात्राएं

अचानक चीखने-चिल्लाने लगीं थीं। अस्पताल ले जाते ही नॉर्मल हो गई। अगले दिन भी 2 छात्राएं इसी तरह चीखने-चिल्लाने और रोने लगी थी। उन्हें भी नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन सभी रिपोर्ट नॉर्मल आई। इस मामले में जिला शिक्षा विभाग ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही छात्राओं की काउंसलिंग कराने के लिए साइकोलॉजिकल टीम भी बुलाई गई है। स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता दीवान ने बताया कि पहली घटना 9 जुलाई को शाम करीब 4 से 4:30 बजे के बीच हुई। एक छात्रा को अचानक चक्कर आया, जिसके बाद उसे स्टाफ रूम ले जाया गया। कुछ ही देर बाद दूसरी छात्रा जोर-जोर से चीखने लगी। दोनों के परिजनों को बुलाकर उन्हें घर भेज दिया गया।

हाथ-पैर अकड़ गए, बोलने में भी हो रही थी दिक्कत

प्रिंसिपल के अनुसार, उसी दिन 3 अन्य छात्राएं भी क्लास में बेहोश हो गईं। उनके हाथ-पैर अकड़ गए, आंखों से आंसू निकलने लगा और वे ठीक से बोल भी नहीं पा रही थीं। पहले 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। लेकिन समय लगने की जानकारी मिलने पर छात्राओं को ऑटो से शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां करीब डेढ़ घंटे बाद सभी छात्राएं सामान्य हो गईं। डॉक्टरों की जांच में कोई गंभीर शारीरिक समस्या सामने नहीं आई।

संपादकीय

ज़हरीली विरासत

सैकड़ों स्रोतों से प्रदूषित होती पंजाब की नदियां

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलत: जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित 'कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है।

> "वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलत: जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है।

निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुर्माना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दर्शाता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है। लेकिन इक्का-दुक्का सफलताएं ही व्यापक रणनीति की जगह नहीं ले सकतीं। जरूरी है कि नियम-कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाए, सार्वजनिक रिपोर्टिंग को पारदर्शी बनाएं तथा सीवेज एवं कचरा-शोधन प्रणालियों में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। सर्वविदित है कि पंजाब का नाम यहां की नदियों से पड़ा है। ऐसे में इन नदियों को खुले नाले बनते रहने देने से न केवल हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र व लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि राज्य की खुशहाली व पहचान के लिये भी एक खतरा है। अब मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने का वक्त है।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

पवित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में 8.6% का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियनसे ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्सका अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफर पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्सके पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्सके पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता हैऔर शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है। इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकीवस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफविज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफरको दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है।

इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज़्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज़्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे

20,000 से ज़्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज़्यादा खास तौर पर आयोजित बिज़नेस टू बिज़नेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्रभी होंगे, जो अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढ़ांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे। उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस ज़िम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज़्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।

इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशनके दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्सका यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेंमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।

आज भारत टेक्समेंलगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिएप्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने 31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे मैन-मेड फाइबर वाले कपड़ों, फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफदृष्टिकोण को अपनाते हुए सात पीएम पार्क को एकीकृत विनिर्माण व्यवस्था के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ज़मीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का काम भी तेज़ी से चल रहा है, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत 794 हैंडलूम क्लस्टर में लगभग 2,000 करोड़ का निवेश किया गया है। इससे 1.17 लाख बुनकरों को बेहतर करघेमिले हैं और लगभग 90,000 कामगारों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में 1,335 करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया गया है। इसके अलावा, 1.5 लाख से ज़्यादा बुनकरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा गया है और बुनकर मुद्रा योजनाके तहत लगभग 3 लाख लोगों को बिना गारंटी के ऋण दिए गए हैं। अपने घरेलू निर्माताओं, कारीगरों और अन्वेषकों को सीधे वैश्विक बाज़ार से जोड़कर, इन व्यापक सुधारों ने हमें उस बड़े वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए तैयार किया है, जिसकी झलक इस हफ्ते देखने को मिल रही है।

आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नज़र डालते हैं, तो हमारा नज़रिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नज़र आता है। यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विज़न 2030 रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत @ 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मैं आप सभी को भारत टेक्स 2026 में अगले चार दिनों तक हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि आप हमारे श्रमिकों की अविश्वसनीय शक्ति, हमारे रचनाकारों के शानदार नवाचारों और वैश्विक वस्त्रों के भविष्य को देख सकें, जिन्हें गर्व से भारत में डिज़ाइन किया गया है, टिकाऊ तरीके से निर्मित किया गया है और बड़े पैमाने पर एकीकृत किया गया है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं।)

हमारी नई पीढ़ी विवाह को ठीक से समझे और स्वीकारे

पं. विजयशंकर मेहता

इन दिनों माता-पिता बच्चों का विवाह करने के बाद इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि विवाह सफल होगा या नहीं। पहले परमात्मा से प्रार्थना की जाती थी कि विवाह अच्छे से संपन्न हो जाए। पर अब माता-पिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि बच्चों का विवाह अच्छा चल जाए। मन में भय है, पता नहीं कब रिश्ता टूटने की खबर आ जाए। हमारे परिवार के जीवन में जिन-जिन परंपराओं का स्वरूप बदला, उनमें विवाह भी है।

पहले शुद्ध वैदिक विवाह होता था, समाज और परिवार की सहमति से। इसको अरेंज्ड मैरिज कहते हैं। फिर भोग-विलास तो हो पर दीर्घ जिम्मेदारी न उठानी पड़े, इसके लिए लिव-इन रिलेशनशिप आ गई। लव मैरिज को तो लोग समझ ही नहीं पाए। रोमांस और लव मैरिज में फर्क है। रोमांस जैसे ही मैरिज में बदलता है, जीवन के कई कटु सत्य सामने आते हैं। और जरूरी नहीं कि यह सफल हो जाए। नई पीढ़ी विवाह को ठीक से समझे और स्वीकारे, वरना परिवार की परंपराओं का यह पहरुआ अपने-आप दम तोड़ देगा।

एआई कोर इंजीनियरिंग को रिप्लेस नहीं करेगा, बल्कि उसे री-इन्वेंट करेगा

एन. रघुरामन

अमेरिका में ज्यादातर विश्वविद्यालय इतनी तेजी से एआई प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं कि शोधकर्ताओं के लिए उन्हें ट्रैक करना कठिन हो रहा है। इसके पीछे सोच यह है कि चूंकि एआई वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रहा है, इसलिए कॉलेज और स्टूडेंट्स, दोनों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखना जरूरी है। इधर, तेलंगाना की एक खबर में था कि आईटी जॉब मार्केट में अनिश्चितता और फ्रेशर्स के लिए घटते अवसरों के कारण पारंपरिक इंजीनियरिंग ब्रांच फिर से लोकप्रिय हो रही है।

खबर में तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी सीट आवंटन का हवाला देते हुए कहा गया कि सिविल, मैकेनिकल और उनसे जुड़ी शाखाओं की कम से कम 80% सीटें अलॉट हो चुकी हैं। केमिकल इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग और फूड टेक्नोलॉजी जैसे गैर-आईटी कोर्सेस में भी 82% सीटें भरने की उम्मीद है। कॉलेज एजुकेशन के इन दो पहलुओं ने मुझे कुछ विशेषज्ञों से बात करने को मजबूर किया। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि 'एक समय उद्योग गर्व से खुद को 'कम्प्यूटराइज्ड' बताते थे। बाद में सभी कम्प्यूटराइज्ड हो गए और यह विशेषण गायब हो गया।

इंटरनेट के साथ भी यही हुआ। आज कोई कंपनी 'इंटरनेट-एनेबल्ड' होने का दावा नहीं करती, क्योंकि डिजिटल कनेक्टिविटी स्वाभाविक हो चुकी है।' उन्होंने कहा कि 'एआई भी उसी दिशा में बढ़ रहा है। आने वाले दशक में कॉलेज शायद 'एआई-एनेबल्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग' या 'एआई-एनेबल्ड सिविल इंजीनियरिंग' जैसी मार्केटिंग नहीं करेंगे। गणित, फिजिक्स और कंप्यूटर लिट्रेसी की तरह एआई भी बेसिक टूल बन जाएगा। हर इंजीनियर से अपेक्षा होगी कि ब्रांच भले कोई भी हो, वह इंटेलिजेंट सिस्टम्स के साथ काम करना तो जानता ही होगा।'

विशेषज्ञ सही हैं। तेलंगाना से हर साल सीएसई और संबंधित ब्रांचों से लगभग 60 हजार ग्रेजुएट पास होते हैं, जबकि एंट्री-लेवल आईटी जॉब कम हो रहे हैं। स्टूडेंट्स को लगता है कि कोर ब्रांचों में प्रतिस्पर्धा कम और अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश ज्यादा है। साथ ही प्राइवेट और सरकारी, दोनों क्षेत्रों में अवसर भी मौजूद हैं। लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि भविष्य में एआई केवल कोड लिखने या सवालों के जवाब देने वाला चैटबॉट नहीं रहेगा।

अपने मूल स्वरूप में एआई ऐसी तकनीक है, जो डेटा एनालाइज करती है, पैटर्न पहचानती है, परिणामों का अनुमान लगाती है और तेज गति से बेहतर निर्णय लेने में मदद करती है। हर इंजीनियरिंग शाखा ऐसा डेटा तैयार करती है। जिस डेटा को एनालाइज करने में हमें दो हफ्ते लगते हैं, एआई उसे चंद मिनटों में कर देता है।

एक सिविल इंजीनियर स्ट्रक्चरलर स्ट्रेस, निर्माण गुणवत्ता और इन्फ्रास्ट्रक्चर की निगरानी का काम करता है। एआई ड्रोन से ली गई तस्वीरों का विश्लेषण कर पुलों की दरारों को खतरनाक बनने से पहले ही पहचान सकता है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में भी यही बदलाव दिख रहा है। आधुनिक कारखाने मशीनों में खराबी आने से पहले ही उसका पता लगाने के लिए एआई पर निर्भर हो रहे हैं।

ऐसे में जो इंजीनियर मशीनों और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर दोनों को समझते हैं, बेहद अहम बन जाएंगे। यही रुझान इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में भी दिखता है। स्मार्ट ग्रिड इलेक्ट्रिसिटी डिमांड का अनुमान लगाने, रिन्युएबल एनर्जी स्रोतों में बैलेंस बनाने और रियल-टाइम में गड़बड़ी का पता लगाने के लिए एआई इस्तेमाल कर रहे हैं।

कृषि क्षेत्र में प्रिसिजन फार्मिंग बढ़ रही है, जहां एआई सैटेलाइट तस्वीरों, मौसम पूर्वानुमान और मिट्टी की स्थिति का विश्लेषण करके सिंचाई और फर्टिलाइजर के उपयोग के बारे में सुझाव देता है। केमिकल इंजीनियर नया मैटेरियल बनाने, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस को ऑप्टिमाइज करने और अपशिष्ट घटाने के लिए एआई उपयोग कर रहे हैं।

इनमें से कोई भी बदलाव इंजीनियरों की जरूरत को खत्म नहीं करता। उल्टा, ये उन इंजीनियरों की कीमत और बढ़ाते हैं, जिनके पास अपने क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ डिजिटल स्किल भी है। यह बताता है कि कोर इंजीनियरिंग की ओर बढ़ते रुझान को टेक्नोलॉजी से पीछे हटने के तौर पर देखने की गलती नहीं की जानी चाहिए।

सिंधु की धारा में मौन सिसकी की आहट

जयसिंह रावत

सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है।

अमरनाथ यात्रा इस समय अपने चरम पर है, लेकिन यात्रा के पहले ही हफ्ते में बर्फानी शिवलिंग के 60 प्रतिशत तक गल जाने के कारण श्रद्धालुओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। पवित्र बर्फीले शिवलिंग के नियत समय से पहले गलने की आवृत्ति और तीव्रता पिछले कुछ सालों में अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। वास्तव में, यह संकट केवल बर्फानी बाबा तक सीमित नहीं है, बल्कि समूचे सिंधु नदी के जल संभरण (कैचमेंट) क्षेत्र में गहराई से पैर पसार चुका है। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की अत्यधिक भीड़, भारी निर्माण कार्यों से उड़ते धूल के गुबार और लाखों की संख्या में दौड़ते वाहनों के प्रदूषण ने इस ऐतिहासिक नदी के अस्तित्व को ही गंभीर संकट में डाल दिया है।

सिंधु नदी, जिसने 'हिंदुस्तान' और 'इंडिया' को वैश्विक पहचान दी और 'सिंधु घाटी सभ्यता' को जन्म दिया, आज अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट में है। एशिया की यह जीवनदायिनी नदी करोड़ों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा का आधार है। करीब 11 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला यह बेसिन 'थर्ड पोल' का हिस्सा है। यहां के ग्लेशियर, जो सिंधु के 50 प्रतिशत जल प्रवाह का स्रोत हैं, तेजी से सिकुड़ रहे हैं। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 के बाद इस क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच इस पूरे क्षेत्र ने अपने ग्लेशियर क्षेत्रफल का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा खो दिया।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफहिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सर्दियों की भारी बर्फबारी का समय बदल रहा है। पहले जो हिमपात दिसंबर से फरवरी के बीच होता था, उसका बड़ा हिस्सा अब मार्च और अप्रैल में हो रहा है, जिससे ग्लेशियरों का प्राकृतिक पुनर्भरण लगातार कमजोर हो रहा है।

सोनमर्ग से जोजिला दर्रे तक ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सिंध घाटी धूल और धुएं की एक घनी चादर में लिपट गई हो। पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतारें, यात्रा की रसद में जुटे बेतहाशा ट्रक, सैन्य बलों के काफिले और मेगा सड़क तथा सुरंग निर्माण परियोजनाओं में लगे भारी अर्थ-मूविंग वाहन प्रतिदिन हजारों की संख्या में इस अत्यंत संकरी और संवेदनशील घाटी से गुजरते हैं। इन वाहनों के पीछे उठते धूल के गुबार और डीजल का काला धुआं हवा के साथ सीधे ऊपर सदियों पुराने हिमनदों की ओर बढ़ते साफ दिखाई देते हैं। सोनमर्ग के निकटवर्ती थजीवास, मचोई और बालटाल के ऊपरी क्षेत्रों में मौजूद ग्लेशियरों की उजली बर्फीली सतह पर मटमैली परत नंगी आंखों से देखी जा सकती है। कदम-कदम पर होने वाले भूस्खलन वाहनों की आवाजाही के दौरान इस धूल को और बढ़ाते हैं।

विज्ञान का सीधा-सा नियम है कि स्वच्छ, सफेद बर्फसूर्य के विकिरण का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देती है, जिसे अल्बीडो प्रभाव कहा जाता है। लेकिन जब इसी बर्फ की सतह पर धूल, डीजल वाहनों की कालिख या निर्माण कार्यों से उड़ने वाला ब्लैक कार्बन जम जाता है, तो बर्फका परावर्तन गुण तेजी से घट जाता है। गहरे रंग की यह परत सूर्य की अधिक ऊष्मा को अवशोषित करने लगती है, जिससे बर्फ के पिघलने की गति सामान्य से 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक तेज हो जाती है। कश्मीर की सिंध नदी, जो आगे चलकर झेलम और अंतत: सिंधु प्रणाली का प्रमुख हिस्सा बनती है, का उद्गम इन्हीं क्षेत्रों में है।

सिंधु बेसिन के ऊपरी क्षेत्रों, विशेषकर लद्दाख, सोनमर्ग और अमरनाथ यात्रा मार्ग में अनियंत्रित पर्यटन ने पर्यावरण पर दबाव डाल दिया है। लद्दाख जैसे शीत मरुस्थल की वहन क्षमता अत्यंत सीमित है, लेकिन वहां प्रतिवर्ष लगभग 5.5 से 6 लाख पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि वहां की स्थायी आबादी मात्र तीन लाख के आसपास है। पर्यटन के चरम मौसम में प्रतिदिन हजारों डीजल वाहन संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जिससे न केवल ठोस कचरे और प्लास्टिक का संकट बड़ा हुआ है, बल्कि जल स्रोतों पर भी दबाव पड़ रहा है।

जिन क्षेत्रों में कभी प्राकृतिक झरनों का जल पूरे वर्ष उपलब्ध रहता था, वहां अब गर्मियों में पानी का संकट दिखाई देने लगा है। अमरनाथ यात्रा निस्संदेह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, और सामरिक सुरक्षा के लिए ऑल-वेदर कनेक्टिविटी सुरंगें भी राष्ट्र की प्राथमिकता हैं। लेकिन क्या हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील और युवा पहाड़ की धारण क्षमता का आकलन किए बिना यह सब अनियंत्रित रूप से होना चाहिए?

वैज्ञानिक अब सिंधु नदी के भविष्य को लेकर 'पीक वाटर' की अवधारणा की चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती दशकों में तेजी से पिघलने के कारण नदी में जल प्रवाह बढ़ता हुआ दिखाई देगा, जिससे बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। लेकिन जैसे-जैसे हिमनद पूरी तरह सिकुड़ जाएंगे, जल प्रवाह स्थायी रूप से घटने लगेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव सिंचाई, पेयजल और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2025-2034 को 'क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक' घोषित किया है। सिंधु के संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर वैज्ञानिक आधार पर पर्यटन प्रबंधन, केवल भारत स्टेज-6 या इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रवेश की अनुमति, निर्माण मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण और प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र की वहन क्षमता के अनुरूप आगंतुकों की सीमा तय करना आवश्यक है। सिंधु आज भी बह रही है, लेकिन उसकी धारा में भविष्य की एक मौन सिसकी और गंभीर चेतावनी भी बह रही है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सेवा सेतु से आसान हुई प्रक्रिया, अजय को मिला निवासी प्रमाण पत्र

दुर्ग। पाटन निवासी अजय चन्द्राकार को अपने विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए मूल निवासी प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। पहले उन्हें यह चिंता थी कि प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे और प्रक्रिया में अधिक समय लगेगा। लेकिन छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल ने उनकी यह चिंता पूरी तरह दूर कर दी। श्री अजय चन्द्राकार ने 14 मई 2026 को तहसील कार्यालय पाटन स्थित सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक रही। निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद 28 मई 2026 को उनका मूल निवासी प्रमाण पत्र समय पर जारी कर दिया गया।

आईआईआईई ने याद किया सराफ का योगदान

भिलाई। इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग ने भिलाई चैप्टर के सदस्य और जाने-माने माइनिंग-इंडस्ट्रियल इंजीनियर बिजोय सराफ को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। संस्थान की ओर से के. पटेल ने बताया कि सराफ ने अपने समर्पण और सक्रिय भागीदारी से सामूहिक मिशन को समृद्ध किया। इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके योगदान और भिलाई चैप्टर के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को हमेशा गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता, स्टूडेंट्स ने दिखाई प्रतिभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संगोष्ठी, पोस्टर, भाषण एवं ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार, विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू तथा अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने की। इस अवसर पर जिला नोडल अधिकारी (मातृत्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) डॉ. अर्चना चौहान एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ती जनसंख्या से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से जनसंख्या संतुलन, स्वस्थ परिवार-सुरक्षित भविष्य तथा संसाधनों के संतुलित उपयोग का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि अलका बाघमार ने अपने संबोधन में कहा कि बढ़ती जनसंख्या की चुनौतियों से निपटने के लिए जनजागरूकता, शिक्षा और परिवार नियोजन को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। विशेष अतिथि सुश्री प्रिया साहू ने समाज में व्याप्त दुष्कर्म जैसी गंभीर समस्या पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में पोस्टर, भाषण एवं ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मीना मान, श्रीमती शोभिका गजपाल, डॉ. अमरीश त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

आईआईटी भिलाई में कार्यशाला, चिकित्सा के संरक्षण और वैज्ञानिक शोध पर हुआ मंथन

■ **छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए पारंपरिक वैद्यों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने लिया भाग**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में दो दिवसीय कार्यशाला पारंपरिक स्वास्थ्यज्ञान पद्धति : शोध एवं सतत आजीविका विकास का सफल समापन हुआ। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए पारंपरिक वैद्यों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। आयोजन के दौरान जनजातीय चिकित्सा परंपरा, औषधीय पौधों के संरक्षण, वैज्ञानिक शोध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग तथा सतत आजीविका के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 385 पारंपरिक वैद्यों का सर्वेक्षण किया जा चुका है, जिनमें से 35 से 40 वैद्य वर्तमान में वैज्ञानिक अनुसंधान में

सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। उनके पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, प्रमाणीकरण और संरक्षण किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से इस ज्ञान को स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान तथा स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ा जा सकता है। कार्यशाला में कैंसर, मधुमेह, हड्डी फ्रैक्चर तथा न्यूरोलॉजिकल विकारों सहित विभिन्न रोगों में पारंपरिक उपचार पद्धतियों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पौधा बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान को राज्य की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समन्वय स्वास्थ्य, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकता है। इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से आए डॉ. अशोक कुमार प्रधान, राशिक प्रधान एवं उनकी टीम ने पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के संरक्षण एवं वैज्ञानिक अनुसंधान पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यशाला का आयोजन मात्रा लैब (Matra Lab), कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी भिलाई द्वारा "E&ploring Health and Financial Impact Analysis of Medicinal Plants through Product Development and Scientific Validation in Remote Location of ChhattisgarhÑ Bridging Tribal Indigenous Knowledge through Artificial Intelligence" परियोजना के अंतर्गत किया गया। परियोजना का नेतृत्व डॉ. राजेश कुमार मुण्डोतिया कर रहे हैं। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. सत्यजीत, डॉ. संतोष, डॉ. डाकेश्वर कुमार वर्मा, मात्रा लैब की टीम तथा डॉ. निर्मल अवस्थी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी अतिथियों, पारंपरिक वैद्यों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आईएएस सुरूचि सिंह ने संभाला नगर निगम भिलाई के आयुक्त का पदभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह ने सोमवार को नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। राज्य शासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के तहत उन्हें नगर पालिक निगम भिलाई का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व वे जिला पंचायत राजनांदगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं।

नगर निगम मुख्यालय पहुंचने पर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुश्री सिंह का आत्मीय स्वागत किया। आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह का शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। पदभार ग्रहण के दौरान निगम के सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने नवपदस्थ आयुक्त का स्वागत करते हुए उन्हें निगम की वर्तमान परियोजनाओं एवं विभिन्न विभागों की प्रगति से अवगत कराया। राज्य शासन द्वारा हाल ही में किए गए प्रशासनिक फेरबदल के अंतर्गत आईएएस अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह को नगर पालिक निगम भिलाई का आयुक्त नियुक्त किया गया है। उनके प्रशासनिक अनुभव से शहर विकास कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी।

समृद्ध हो रहे किसान, समय पर यूरिया व उन्नत खाद मिलने से फसल चक्र हुआ सुदृढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के आर्थिक संवर्धन और कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में, खरीफसीजन के दौरान कृषकों को आवश्यक कृषि आदान (कृषि इनपुट) सामग्री उपलब्ध कराने के लिए धरातल पर व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जिला प्रशासन दुर्ग की सतत मॉनिटरिंग के फलस्वरूप ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक साख सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। कृषि विज्ञान के दृष्टिकोण से यूरिया और अन्य खाद फसलों की प्रारंभिक वानस्पतिक वृद्धि, क्लोरोफिल निर्माण और समुचित विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक माने जाते हैं, जो फसल की उत्पादकता व गुणवत्ता निर्धारित करते हैं। दुर्ग विकासखंड के ग्राम जेवरा निवासी

प्रगतिशील कृषक कमलेश कुमार साहू ने बताया कि उन्हें सिरसा स्थित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति से अपनी आवश्यकता के अनुरूप दो चरणों में यूरिया खाद एवं उन्नत बीज अत्यंत सुगमता से प्राप्त हो गए हैं। खेती-किसानी के इस संवेदनशील समय में कृषि आदानों की त्वरित उपलब्धता से खेतों में बुआई और पोषण प्रबंधन का कार्य बिना किसी मानसिक व आर्थिक तनाव के समय पर पूरा हो सका है। कृषक श्री साहू ने अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि पूर्व में किसानों को खादों के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था, जिससे समय नष्ट होता था और फसल भी प्रभावित होती थी। किंतु इस वर्ष प्रशासनिक व्यवस्था के कारण यूरिया और बीज बिना किसी परेशानी के सीधे किसानों तक सहजता से पहुंच रहे हैं। समयबद्ध तरीके से मुख्य पोषक तत्वों की आपूर्ति होने से फसलों के स्वास्थ्य में स्पष्ट सुधार देखा जा रहा है, जिससे आगामी समय में बंपर पैदावार की ठोस उम्मीद जगी है। शासन की इस किसान-हितैषी नीति और पारदर्शी वितरण प्रणाली से अभिभूत होकर कृषक कमलेश कुमार साहू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन दुर्ग के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि खाद-बीज की निर्बाध उपलब्धता से जिले के कृषक समुदाय का मनोबल ऊंचा हुआ है और वे पूर्ण उत्साह के साथ खरीफ सीजन की खेती में संलग्न हैं।

मोटिवेशनल स्पीकर को मिला जन्मदिन का खास तोहफा

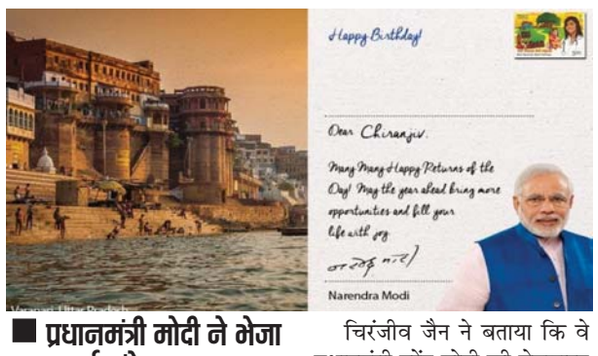

■ **प्रधानमंत्री मोदी ने भेजा बधाई संदेश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंचल के शिक्षाविद् और प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर चिरंजीव जैन को उनके जन्मदिन पर खास तोहफा मिला। उन्हें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बधाई संदेश सुबह-सुबह सबसे पहले मिला। यह बधाई संदेश मिलने से चिरंजीव जैन ने कहा कि यह उनके जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है।

चिरंजीव जैन ने बताया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वेबसाइट में राष्ट्रहित में दशक भर से सुझाव देते रहे हैं। जिसमें उनका पूरा ब्यौरा भी दर्ज है। इस सतत संपर्क की वजह से बीते दशक से हर वर्ष 7 जुलाई को उनके जन्मदिन पर सुबह सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बधाई संदेश मिलता है। उन्होंने जन्मदिन की बधाई के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है। श्री जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से सतत संपर्क की पहल से वे बेहद प्रभावित हैं।

छात्रावास के विद्यार्थियों को जीई फाउंडेशन द्वारा दिया गया शैक्षणिक और खेल सामग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने नवीन शैक्षणिक सत्र के अवसर पर समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित संदीपनी आवासीय बालक छात्रावास, फरीद नगर में निवासरत विद्यार्थियों को स्कूल बैग, नोटबुक, स्टेशनरी तथा खेलकूद सामग्री का वितरण किया। इस दौरान छात्रावास परिसर में विद्यार्थियों के साथ मौजूद लोगों ने वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर छात्रावास के अधीक्षक रवि दुबे, अनुदेशक स्वेच्छा तिवारी एवं छात्रावास के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जीई फाउंडेशन की ओर से प्रदीप पिल्लई और के. वी. विनोद सहित टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम में

सहभागिता की। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेखा रामचंद्रन का विशेष एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा। जीई फाउंडेशन ने उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने कहा, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। शिक्षा के साथ-साथ खेल और पर्यावरण संरक्षण भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद बच्चे तक शिक्षा और अवसर की रोशनी पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि जीई फाउंडेशन द्वारा इससे पूर्व संजीवनी बालिका छात्रावास में भी छात्राओं को स्कूल बैग, नोटबुक एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया था। संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में निरंतर जनहितकारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

फसल बीमा पोर्टल पर 31 जुलाई तक करा लें पंजीयन

■ **शहीद रजनीकांत की 17वीं पुण्यतिथि पर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन और कृषकों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किया गया है। मौसम खरीफ वर्ष 2026 प्रारंभ हो चुका है और अल-नीनो के प्रभाव के कारण मौसम की असामान्य परिस्थितियां निर्मित होने की प्रबल संभावना है, जिससे खरीफफसलों को नुकसान पहुंच सकता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ऐसे किसान जो अब तक फसल बीमा नहीं कराये है वे बीमा पोर्टल पर करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तक करा लें।

संभागीय संयुक्त संचालक कृषि द्वारा

संभाग के समस्त जिलों के ऋणी/अऋणी किसानों को अधिक से अधिक संख्या में निकटस्थ सहकारी समितियों, बैंक, च्वाईस सेंटर के माध्यम से तत्काल संपर्क कर फसल बीमा कराने हेतु अपील की गई है, ताकि कोई भी पात्र केसीसी धारी कृषक बीमा आवरण से वंचित न हो।

संयुक्त संचालक कृषि ने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं (स्थानीयकृत आपदा एवं फसल कटाई उपरांत क्षति) से होने वाले फसल नुकसान की त्वरित राहत और निराकरण के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 14447 को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और फसल नुकसान/बीमा से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक एकीकृत प्रणाली है। किसान इस पोर्टल पर ऑनलाइन, मोबाइल ऐप या हेल्पलाइन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

कृषि रक्षक पोर्टल पर जाने और शिकायत दर्ज करने हेतु सबसे पहले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पोर्टल श्च्द्वद्घ्4.द्द्श1.द्बठ्ठ पर जाएं फिर कृषि रक्षक पोर्टल ऑपशन प्रदर्शित होगा जिसे क्लिक करने पर फॉमर एप डाउनलोड का ऑपशन में जाकर स्कैन कर क्रॉप इन्श्योरेन्स एप को डाउनलोड कर या सीधे प्ले स्टोर के माध्यम से भी क्रॉप इन्श्योरेन्स एप को डाउनलोड कर फसल हानि की विवरण इन्द्राज कर सकते है। इसके अलावा किसान भाई फसल नुकसान की त्वरित राहत और निराकरण के लिए टॉल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (कृषि रक्षक हेल्पलाइन) 14447 पर कॉल करके या पीएमएफबीवाय वाट्सअप नं. 7065514447 पर भी जानकारी या शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

'माय भारत पोर्टल' पर पंजीयन के लिए रोजगार कार्यालय में खुला काउंटर

दुर्ग। 'मेरा युवा भारत- माय भारत'' के अंतर्गत जिले के युवाओं को कौशल विकास, इंटर्नशिप, स्वयंसेवा और रोजगार के अवसरों से जोड़ने 'माय भारत पोर्टल' पर पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला रोजगार केंद्र में आवेदकों की सुविधा के लिए एक विशेष पंजीयन काउंटर स्थापित किया गया है। इस काउंटर पर कार्यालय में आने वाले 15 वर्ष से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं का पोर्टल पर नि:शुल्क पंजीयन किया जाएगा। उपसंचालक (रोजगार) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कौशल विकास, इंटर्नशिप और रोजगार के नए अवसरों की जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक सभी पात्र आवेदक रोजगार कार्यालय में अपना पंजीयन करा सकते हैं।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सहायक उपकरणों ने बदली सुकमा बाई की जिंदगी

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब जरूरतमंदों तक संवेदनशीलता और तत्परता के साथ पहुंचता है, तब वह केवल सहायता नहीं बल्कि जीवन में नया आत्मविश्वास और सम्मान भी लेकर आता है। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के ग्राम उरवाही की 70 वर्षीय श्रीमती सुकमा बाई इसका प्रेरक उदाहरण हैं। एक पैर लकवाग्रस्त होने के कारण लंबे समय से उन्हें चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। बिना सहारे घर से बाहर निकलना लगभग असंभव हो गया था और दैनिक कार्यों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान श्रीमती सुकमा बाई के घर पहुंचकर उनकी स्थिति का गंभीरता से आकलन किया। टीम ने आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराने के साथ आय एवं निवास प्रमाण-पत्र बनवाने में भी सहयोग किया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद उन्हें घर पर ही वॉकर एवं छड़ी उपलब्ध कराई गई। साथ ही वॉकर का सुरक्षित एवं सही तरीके से उपयोग करने का प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि वे इसका अधिकतम लाभ उठा सकें।

सेवा सेतु केंद्र में महज 30 मिनट में मिले जरूरी प्रमाणपत्र

रायपुर। शासन द्वारा नागरिक सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु केंद्र आम लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहे हैं। इसका एक प्रेरक उदाहरण तब देखने को मिला, जब बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम सालेपाल निवासी राजू पोयामी ने अपनी बेटी मनकी पोयामी के स्कूल प्रवेश के लिए आवश्यक आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र बनवाने हेतु सेवा सेतु केंद्र का रुख किया। राजू पोयामी ने बताया कि उनकी बेटी मनकी के स्कूल में प्रवेश के लिए इन तीनों दस्तावेजों की तत्काल आवश्यकता थी। पहले उन्हें आशंका थी कि प्रमाणपत्र बनने में कई दिन लग सकते हैं, जिससे प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। लेकिन सेवा सेतु केंद्र में आवेदन करने के बाद मात्र 30 मिनट के भीतर उन्हें आय, जाति और निवास तीनों प्रमाणपत्र उपलब्ध करा दिए गए। उन्होंने कहा कि इतनी कम समय में सभी आवश्यक दस्तावेज मिल जाने से उनकी बेटी के स्कूल प्रवेश की प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूरी हो सकी।

खरीफ फसलों की बीमा 31 जुलाई तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ मौसम 2026 के दौरान किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितता से बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन की प्रक्रिया 12 जुलाई 2026 से शुरू हो चुकी है। राज्य के कृषि विभाग ने सभी पात्र किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 का इंतजार किए बिना समय पर अपनी फसलों का बीमा करा लें। मौसम विभाग के अनुसार, इस साल (एल नीनो) के प्रभाव के कारण प्रदेश में अनियमित या कम बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसी स्थिति में संभावित नुकसान से बचने के लिए फसल बीमा किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। योजना के तहत राज्य के किसान निम्नलिखित फसलों का बीमा करा सकते हैं। धान , मक्का और सोयाबीन, दलहन व तिलहन में अरहर, मूंगफली, मूंग, उड़द, मोटे अनाज में कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसलों को अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकते हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत किसानों को निःशुल्क मिनीकिट बीजों का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के अनुरूप टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में किसानों को निःशुल्क उन्नत मिनीकिट बीज वितरित किए जा रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से दलहन एवं तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में बलरामपुर जिले में किसानों को अरहर, मूंग एवं उड़द के उन्नत मिनीकिट बीजों का निःशुल्क वितरण किया गया। विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत वीरेंद्रनगर एवं चांदी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में 77 किसानों को उन्नत किस्म के अरहर बीज वितरित किए गए। वहीं विकासखंड बलरामपुर के ग्राम पंचायत टांगरमहरी, सरनाडीह एवं दहेजवार में किसानों को अरहर, मूंग एवं उड़द के मिनीकिट बीज प्रदान किए गए। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में किसानों ने योजना का लाभ उठाया तथा उन्हें वैज्ञानिक खेती, उन्नत बीजों के उपयोग, संतुलित पोषण प्रबंधन एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी भी दी गई।

संभावित एल नीनो की परिस्थितियों को देखते हुए कृषि विभाग किसानों को अल्पावधि की धान किस्मों के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इससे अनिश्चित वर्षा की स्थिति में खेती का जोखिम कम होगा, जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा तथा कृषि उत्पादन में स्थिरता बनी रहेगी। साथ ही दलहन उत्पादन बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि और प्रदेश की पोषण सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आधुनिक, वैज्ञानिक एवं जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। कृषि विभाग किसानों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर आधुनिक एवं टिकाऊ खेती अपनाने का आह्वान कर रहा है, जिससे कृषि उत्पादन बढ़े और किसान आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकें।

ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर कोलकाता-2026 में 'बेस्ट डेकोरेशन ऑफ स्टॉल एंड अपीयरेंस' सम्मान से बढ़ी प्रदेश की प्रतिष्ठा

21 राज्यों के बीच छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अभिनव पवेलियन को मिला राष्ट्रीय सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) कोलकाता-2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति के साथ राष्ट्रीय स्तर पर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित पर्यटन आयोजन के सफल समापन पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को देश के 21 राज्यों की सहभागिता के बीच उसके आकर्षक, सृजनात्मक एवं प्रभावशाली पवेलियन के लिए बेस्ट डेकोरेशन ऑफ स्टॉल एंड अपीयरेंस सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय जीवन, प्राकृतिक पर्यटन, धार्मिक धरोहरों और आधुनिक पर्यटन दृष्टिकोण को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के सफल प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है।

10 से 12 जुलाई तक कोलकाता के विश्व बंगला प्रांगण में आयोजित देश के प्रतिष्ठित पर्यटन व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का पवेलियन तीनों दिनों तक आगंतुकों, पर्यटन विशेषज्ञों, टूर ऑपरेटर्स और निवेशकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। बस्तर की जनजातीय संस्कृति, चित्रकोट एवं तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर, भोरमदेव, धार्मिक एवं इको-टूरिज्म, पर्यटन रिसॉर्ट्स तथा राज्य के विविध पर्यटन परिपथों को आधुनिक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसे व्यापक सराहना मिली।

आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, पर्यटन विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सचिव श्री एस भारतीदासन तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों, होटल समूहों, पर्यटन विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ अनेक महत्वपूर्ण बी-टू-बी बैठकों में सहभागिता की। इन बैठकों में पर्यटन निवेश, संयुक्त पर्यटन पैकेजों के विकास, विपणन सहयोग, नए पर्यटन बाजारों तक पहुंच तथा छत्तीसगढ़ में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इन संवादों से राज्य के पर्यटन क्षेत्र में भविष्य की नई साझेदारियों और निवेश के अवसरों को भी मजबूती मिली।

मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ राज्य तथा अन्य राज्यों के लगभग 28 पंजीकृत टूर ऑपरेटर्स, होटल संचालकों, होम-स्टे संचालकों और पर्यटन उद्यमियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। इससे राज्य के पर्यटन उत्पादों को राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा नए व्यावसायिक संबंध स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

आयोजन के उद्घाटन अवसर पर गोवा के पर्यटन मंत्री श्री रोहन ए. खंवटे, उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज, पश्चिम बंगाल के पर्यटन मंत्री डॉ. शंकर घोष तथा थाईलैंड की महावाणिज्य दूत सुश्री सिरीपोर्न तांतीपन्याथेप सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन किया था। सभी अतिथियों ने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति, धार्मिक विरासत और पर्यटन विकास की संभावनाओं की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ को उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में रेखांकित किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में राज्य पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीटीएफ जैसे राष्ट्रीय मंच राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देश और दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस सम्मान ने यह सिद्ध किया है कि छत्तीसगढ़ आज अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक वैभव और उत्कृष्ट पर्यटन संसाधनों के बल पर राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सचिव श्री एस भारतीदासन ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को आर्थिक विकास, स्थानीय रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ की प्रभावी सहभागिता से राज्य में पर्यटन निवेश, पर्यटकों की संख्या और निजी क्षेत्र की भागीदारी में सकारात्मक वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य ने कहा कि पर्यटन बोर्ड राज्य के पर्यटन उत्पादों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीटीएफ-2026 में मिली सफलता और राष्ट्रीय सम्मान राज्य के पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है तथा इससे छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने के अभियान को नई गति मिलेगी।

पुनर्वासित परिवारों तक पहुंची खाद्य सुरक्षा की गारंटी

पुनर्वास केंद्र पहुंचकर खाद्य विभाग ने किया राशन कार्डों का ई-केवाईसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुनर्वासित (विस्थापित या स्थानांतरित) परिवारों को खाद्य सुरक्षा का निर्बाध लाभ सुनिश्चित करने के लिए, उन्हें आधार-सीडेड राशन कार्ड (आधार और ई-केवाईसी अपडेटेड) के माध्यम से राष्ट्रीय और राज्य खाद्य सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाता है। इसके तहत उन्हें हर महीने पात्र श्रेणी के अनुसार 5 किलो से 35 किलो तक मुफ्त खाद्यान्न का अधिकार प्राप्त है।

बीजापुर जिले में पुनर्वासित परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ बिना किसी परेशानी के मिले, इसके लिए जिला प्रशासन ने मैदानी स्तर पर पहल की है। कलेक्टर श्री विश्वदीप के निर्देशन और जिला खाद्य अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग की टीम ने पुनर्वास केंद्र पहुंचकर सभी पात्र हितग्राहियों के राशन कार्डों का ई-केवाईसी पूरा किया।

अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने हितग्राहियों के जरूरी दस्तावेजों का मौके पर ही सत्यापन किया और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराई। इससे पुनर्वासित परिवारों को ई-केवाईसी के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। यह अभियान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पात्र परिवारों को नियमित राशन उपलब्ध कराने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ई-केवाईसी पूरा होने से राशन कार्ड अद्यतन रहेंगे। इससे हितग्राहियों को उचित मूल्य की दुकानों से समय पर खाद्यान्न लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी। विभाग लोगों को समय पर ई-केवाईसी कराने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रहा है। विभाग ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर पात्र परिवार तक खाद्य सुरक्षा का लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सौर क्रांति से अबुझमाड़ के दुर्गम गांवों तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित और भौगोलिक रूप से बेहद दुर्गम अंचल अबुझमाड़ में विकास की एक नई धारा बह रही है। कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसने वाले इस इलाके के दूरस्थ गांवों में अब सौर ऊर्जा के माध्यम से घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण की इस अभिनव पहल ने न केवल ग्रामीणों की प्यास बुझाई है, बल्कि उनके जीवन जीने के अंदाज को भी पूरी तरह बदल दिया है।

अबुझमाड़ के ग्रामीणों के लिए कभी साफ पानी का मतलब एक लंबा और थका देने वाला सफर हुआ करता था। पथरीले और पहाड़ी रास्तों पर कई किलोमीटर पैदल चलने के बाद, उन्हें झिरिया (खड्डों में जमा पानी) का पानी पीने पर मजबूर होना पड़ता था। इससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि जलजनित बीमारियों का खतरा भी हमेशा मंडराता रहता था।

आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। ग्राम नेलॉगुर, पदमकोट, जाटलूर, उसेबेड़ा, हरबेल, कस्तुरमेंटा-2, धुरबेड़ा और गुमरका जैसे दर्जनों अत्यंत संवेदनशील और दूरस्थ गांवों में सोलर ड्यूल पंप स्थापित किए जा चुके हैं। अब ग्रामीणों को उनके अपने गांव में ही शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति मिल रही है, जिससे बीमारियों में भारी कमी आई है और परिवारों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है।

सोलर ड्यूल पंप सौर ऊर्जा से चलने वाले सबमर्सिबल पंप होते हैं, जो बिजली न होने पर सामान्य हैंडपंप की तरह भी काम करते हैं।यह सिस्टम बोरवेल से पानी निकालकर ओवरहेड टैंक में भरता है।छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में क्रेडा द्वारा इन्हें जल जीवन मिशन के तहत लगाया जा रहा है। जिले के हर कोने तक स्वच्छ पानी पहुंचाने के लिए क्रेडा द्वारा युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है।

ग्राम डोडीतुमनार में गूंजी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजापुर जिले के अति-संवेदनशील डोडीतुमनार (तुमनार) क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदूरवर्ती ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से शिविर आयोजित किए जाते हैं। बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जैसे पूर्व के नक्सल-प्रभावित बस्तर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए दिल्ली और राज्य स्तरीय अधिकारी समय-समय पर दौरा करते है। इन क्षेत्रों में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान की जाती है ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और कुपोषण जैसी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान (एमएसबीए) के तहत बीजापुर जिले के विकासखंड बीजापुर स्थित दूरस्थ ग्राम डोडीतुमनार में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण राज्य स्तरीय दल और दिल्ली से आई विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीम ने किया। टीम ने शिविर में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन करते हुए दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान डब्ल्यूएचओ टीम ने ग्राम डोडीतुमनार के निवासी सोमलू मड़ियाम और उनके परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के तहत हुई स्क्रीनिंग में उनके बच्चे में नेफ्रोटिक सिंड्रोम की समय रहते पहचान हुई थी। इसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख, नियमित उपचार और फॉलो-अप से बच्चे के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार आया। टीम ने इसे समय पर जांच और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। स्वास्थ्य शिविर के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला टीकाकरण अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, मितानिन तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

116 ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य लाभ

स्वास्थ्य शिविर में 116 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया गया। शिविर में मलेरिया जांच, बुखार, सर्दी-खांसी, दर्द, खुजली, उल्टी-दस्त जैसी सामान्य बीमारियों का उपचार किया गया। इसके साथ ही बच्चों का नियमित टीकाकरण, आवश्यक दवाइयों का वितरण, स्वास्थ्य परामर्श और अन्य चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहल

डब्ल्यूएचओ टीम ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में समय पर बीमारी की पहचान, उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह अभियान ग्रामीणों को उनके गांव के पास ही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहा है।

जागरूकता रथ रवाना, सास-बहू सम्मेलन और जनजागरूकता कार्यक्रमों के जरिए दिया जाएगा स्वस्थ परिवार का संदेश

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा: परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता अभियान तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार की अवधारणा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 11 से 18 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। अभियान के तहत जिलेभर में परिवार नियोजन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर रोहित व्यास ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परिवार नियोजन के महत्व को घर-घर तक पहुंचाया जाए तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व, जनसंख्या स्थिरीकरण तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएगा।

इस वर्ष अभियान की थीम जब बच्चे में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल रखी गई है। डॉ. जात्रा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दंपतियों को गर्भधारण के उचित समय, दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का सुरक्षित अंतराल रखने तथा परिवार नियोजन के विभिन्न विकल्पों के प्रति जागरूक करना है। इससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति भी मजबूत होती है।

अभियान के दौरान जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सास-बहू सम्मेलन, परामर्श शिविर और विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से परिवार नियोजन से जुड़ी भ्रांतियों का निराकरण करते हुए योग्य दंपतियों को उपलब्ध सेवाओं एवं उनके लाभों की जानकारी दी जाएगी।

परिवार नियोजन के सभी साधन निःशुल्क उपलब्ध

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधन पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं। इनमें कॉपर-टी, अंतरा इंजेक्शन, गर्भनिरोधक गोलियां तथा निरोध शामिल हैं। इच्छुक दंपतियों को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा आवश्यक परामर्श एवं सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं।

पुरुष नसबंदी पर 3,000 रुपये का प्रोत्साहन

परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा पुरुष नसबंदी कराने वाले हितग्राहियों को 3,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े के दौरान 11 से 18 जुलाई तक जिला चिकित्सालय जशपुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्थलगांव में प्रतिदिन पुरुष नसबंदी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी योग्य दंपतियों से अपील की है कि वे परिवार नियोजन अपनाकर स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल परिवार के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें तथा शासन द्वारा उपलब्ध निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

बचपन का अनुशासन बॉलीवुड में काम आया

संजना सांघी ने सुनाई संघर्ष की कहानी

अभिनेत्री संजना सांघी अपनी अपकमिंग फिल्म हिटमैन को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जिंदगी के सफर का जिक्र करते हुए मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और अनिश्चितताओं को अपनाने के बारे में बात की। रॉकस्टार, दिल बेचारा और कड़क सिंह जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं इस अभिनेत्री ने उन अनुभवों के बारे में बताया।

शुरुआत को याद करते हुए संजना ने बताया कि एक्टिंग उनकी जिंदगी में अचानक आई। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में डांस सीख रही थी, तो मैं सिर्फ इसलिए डांस करती थी क्योंकि मुझे यह पसंद था। मैं एनुअल फंक्शन में परफॉर्म करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगी। जब मैं सिर्फ 13 साल की थी, तब बॉलीवुड के एक बड़े कास्टिंग डायरेक्टर मेरे स्कूल आए और मुझे एक फिल्म में कास्ट किया।

रॉकस्टार में एक्टिंग करने को लेकर उन्होंने कहा 13 साल की उम्र में, बिना किसी एक्टिंग अनुभव के भी, भारत के सबसे बड़े मेल स्टार्स में से एक के सामने खुद को मजबूती से पेश कर पाने की वजह वह मेहनत, अनुशासन और विनम्रता थी जो डांस ने मुझमें पैदा की थी।

उन्होंने बताया बहुत से भारतीय माता-पिता की तरह, मेरे माता-पिता भी चाहते थे कि मैं हर चीज में बेहतर करूं। जब मैं सात साल की थी, तो मेरे पिता चाहते थे कि मैं कथक सीखूं, जबकि मेरी मां चाहती थीं कि मैं कंटेम्परी जैज सीखूं। कोई एक न चुन पाने की वजह से, मैंने दोनों ही चीजें सीखीं और स्कूल के बाद हर दिन बारी-बारी से उनका अभ्यास करती रही। शुरू में तो यह बहुत ज्यादा दबाव जैसा लगा और मुझे इसमें मजा भी नहीं आया। लेकिन धीरे-धीरे मुझे इससे प्यार हो गया और मुझे एहसास हुआ कि यह मुझे अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखा रहा है, जो आगे चलकर मुझे जिंदगी के सबसे मुश्किल हालात का सामना करने में मदद करेगा।

ये लड़के कुछ डरावना बना रहे हैं, रश्मिका मंदाना ने 'रणबाली' को लेकर दी अपडेट

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी।

हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है।

मैं खुद को रोक नहीं पाई

रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा।

उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!'

विजय ने दिया रश्मिका की स्टोरी का जवाब

रश्मिका की इस स्टोरी पर पति व फिल्म के एक्टर विजय देवरकोंडा ने तुरंत ही जवाब दिया। रश्मिका की स्टोरी को री-शेयर करते हुए विजय ने प्यार से उन्हें क्यूट कहा और मजाक-मजाक में उनकी बात से असहमति जताई। विजय ने लिखा, 'डरावना नहीं दिव्य।'

जिससे यह संकेत मिला कि दर्शकों को डरावनी चीज के बजाय कुछ बहुत ज्यादा पौराणिक देखने को मिल सकता है। इस बातचीत ने विजय के किरदार को लेकर चर्चाओं को और हवा दी है। जब से 'रणबाली' की घोषणा हुई है, तब से उसके बदलाव को लेकर सबसे ज्यादा बातें हो रही हैं। इस लेटेस्ट पोस्ट के बाद यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या यह तस्वीर फिल्म के काफी चर्चित क्लाइमेक्स की है या किसी और अहम सीन की।

क्लाइमेक्स शूट करने में लगे 16 दिन

इससे पहले निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने बताया था कि विजय और हॉलीवुड एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू के बीच क्लाइमेक्स वाले आमने-सामने के सीन को शूट करने में 16 दिन लगे थे। इसे फिल्म का हाइलाइट बताते हुए उन्होंने कहा कि इस सीन में जितना एक्शन है, उतना ही ड्रामा भी है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1854 और 1878 के बीच की कहानी पर आधारित 'रणबाली' एक निडर स्वतंत्रता सेनानी के सफर को दिखाती है। विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में हैं, जबकि रश्मिका मंदाना जयम्मा का किरदार निभा रही हैं और हॉलीवुड एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू विलेन सर थियोडोर हेक्टर की भूमिका में हैं।

तेरा यार हूं मैं का ट्रेलर हुआ जारी, प्यार, एक्शन और ड्रामे से भरपूर है फिल्म

मिलाप मिलन ज़वेरी की बहुप्रतीक्षित पारिवारिक मनोरंजक फिल्म तेरा यार हूँ मैं का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। यह दर्शकों को प्यार, दोस्ती, भावनाओं और भरपूर मनोरंजन से सजी एक दिल छू लेने वाली कहानी की शानदार झलक दिखाता है। इस फिल्म के साथ अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

अपने मधुर संगीत और दिलचस्प पोस्टर्स के कारण यह फिल्म पहले ही दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर चुकी है। तेरा यार हूँ मैं का रंगीन और मनोरंजक ट्रेलर रोमांस, हास्य और ड्रामा से भरपूर है, जो एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव का वादा करता है। यह फिल्म रिश्तों का गर्मजोशी के साथ जश्न मनाती है और असीमित मनोरंजन का तड़का भी लगाती है।

फिल्म में परेश रावल, जॉनी लीवर, सुप्रिया पिलगांवकर, मृणाल कुलकर्णी, नेहा खान, पूजा कातुर्डे, आनंद आचार्य और दर्शन जरीवाला जैसे शानदार कलाकारों की दमदार टीम शामिल है, जो इस दिल छू लेने वाली कहानी में अपनी अनूठी स्क्रीन उपस्थिति से चार चाँद लगाते हैं।

अजय मुर्डिया द्वारा प्रस्तुत, मुंबई फिल्म्स, बीआईके प्रोडक्शंस और एंटर10 टेलीविजन के सहयोग से बनी इस फिल्म का निर्माण अजय मुर्डिया, बीना इंद्र कुमार और मनीष सिंघल ने किया है, जबकि सुभाष काले इसके सह-निर्माता हैं। कैमरा टेक फिल्म्स के बैनर तले बनी तेरा यार हूँ मैं 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बाथटब में सनी लियोनी का सिज़लिंग अवतार तस्वीरों ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड की बेबी डॉल सनी लियोनी जब भी स्क्रीन या सोशल मीडिया पर आती हैं, फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।

इन तस्वीरों में सनी लियोनी बाथटप में बैठकर हुस्न का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। सनी ने मल्टीकलर सिक्विन और क्रिस्टल वर्क वाला एक बेहद ग्लैमरस बॉडीसूट पहना हुआ है। पर्पल, पिंक, मरून और एक्वा ब्लू शेड्स के चेकर बोर्ड पैटर्न वाले इस आउटफिट में उनका टोंड फिगर साफ नजर आ रहा है।

इस सिजलिंग मोनोकिनी के साथ सनी लियोनी ने मैचिंग फिशनेट स्टॉकिंग्स कैरी किए हैं, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। बाथटब में लेटकर और बैठकर दिए गए सनी के सेक्सी पोज किसी को भी दीवाना बनाने के लिए काफी हैं।

किसी तस्वीर में वह अपने हाथों को बालों में घुमाते हुए कैमरे को इंटेंस लुक दे रही हैं, तो किसी में वह अपनी आँखें बंद कर कातिलाना अदाएं बिखेर रही हैं। उनके चेहरे के एक्सप्रेशंस में कॉन्फिडेंस और सेंसुअलिटी का बेहतरीन तालमेल देखने को मिल रहा है।

लुक को कम्प्लीट करने के लिए सनी ने बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर खूब फब रही है। स्मोकी आइज, परफेक्ट कॉन्टूरिंग और न्यूड मेकअप बेस के साथ उन्होंने कानों में बड़े गोल्डन हूप इयररिंग्स पहने हैं। सनी ने अपने बालों को खुला रखा है।

सनी लियोनी की इन तस्वीरों ने यह साबित कर दिया है कि फैशन और बोल्डनेस के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। फैंस लगातार इन तस्वीरों पर फायर और हार्ट इमोजीस की बरसात कर रहे हैं।

बोरियत को हमेशा न समझें नकारात्मक कभी-कभी यह भी हो सकती है फायदेमंद

बोरियत को अक्सर एक नकारात्मक भावना के रूप में देखा जाता है। हम सोचते हैं कि बोरियत का मतलब है कि हम कुछ जरूरी नहीं कर रहे या हमारा समय बर्बाद हो रहा है। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि बोरियत भी एक तरह से हमें कुछ सिखा सकती है? इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे बोरियत हमें खुद को जानने, आराम करने और नए अनुभवों का आनंद लेने का मौका देती है।

बोरियत खुद को जानने का देती है मौका

बोरियत हमें खुद को जानने का मौका देती है। जब हम कुछ नहीं कर रहे होते और बस बैठकर सोचते हैं तो हमें अपने अंदर की आवाज सुनाई देती है। यह समय हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम क्या चाहते हैं और क्या हमारे लिए सच में जरूरी है। इससे हम अपनी प्राथमिकताओं को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और अपनी जिंदगी को ज्यादा अर्थपूर्ण बना सकते हैं।

बोरियत होता है आराम करने का समय

बोरियत को अक्सर समय की बर्बादी माना जाता है, लेकिन यह वास्तव में आराम करने का एक जरूरी समय होता है। जब हम लगातार काम करते रहते हैं तो हमारी ऊर्जा कम हो जाती है और हम थक जाते हैं। बोरियत के दौरान हम अपने शरीर और मन को आराम देते हैं, जिससे हमारी ऊर्जा वापस आती है और हम नई ताकत के साथ काम करने के लिए तैयार होते हैं।

बोरियत नए अनुभवों का आनंद लेने का देती है मौका

बोरियत हमें नए अनुभवों का आनंद लेने का मौका देती है। जब हम कुछ नया करने का सोचते हैं तो कई बार हमें डर लगता है या संकोच होता है। बोरियत के दौरान हम बिना किसी दबाव के नए शौक आजमा सकते हैं या नई किताबें पढ़ सकते हैं। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है और हमारी सोच में विविधता आती है। नए अनुभवों से हमारा जीवन ज्यादा रोचक और आनंदमय बनता है।

बोरियत रचनात्मकता को देती है बढ़ावा

बोरियत रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। जब हम बोर होते हैं तो हमारी मानसिक स्थिति ऐसी होती है कि हम नए विचारों पर ध्यान दे पाते हैं। कई बार हम ऐसी चीजें सोचते हैं, जो पहले कभी नहीं सोची थीं। इससे हमारी रचनात्मकता बढ़ती है और हम नए-नए तरीकों से समस्याओं का समाधान ढूंढ पाते हैं। बोरियत हमें अलग नजरिए से देखने की क्षमता देती है, जिससे हमारा सोचने का तरीका नया और बेहतर हो जाता है।

बोरियत मानसिक स्वास्थ्य के लिए होती है फायदेमंद

बोरियत मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। लगातार काम करते रहने से तनाव बढ़ता है, जबकि बोरियत के दौरान हमारा मन शांत रहता है। इससे हमारी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और हम ज्यादा खुश महसूस करते हैं। इस प्रकार बोरियत केवल एक नकारात्मक भावना नहीं, बल्कि हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। यह हमें खुद को जानने, आराम करने, नए अनुभवों का आनंद लेने और रचनात्मक बनने का मौका देती है।

छत्तीसगढ़ी फिल्म मया के चिन्हारी का हुआ मुहुर्त

गीत संगीत बेस्ड फिल्म मोर चिन्हारी दर्शकों के दिल पर छोड़ेगी अमिट छाप- सतीश जैन छॉलीवुड के मनोज वर्मा,संतोष जैन, प्रदीप शर्मा सहित नामचीन लोग हुए शामिल.....

भिलाई। छॉलीवुड के सुप्रसिद्ध निर्माता निर्देशक राजेश नायक एवं मंजिल जम्भुलकर द्वारा निर्मित एवं श्रीमंत बारीक द्वारा निर्देशित तथा एनआरके प्रोडक्शन हाउस के बेनर तले बनने वाली छत्तीसगढ़ी फिल्म मया के चिन्हारी का शुभ मुहुर्त गत दिवस भाठागांव रायपुर के एक निजी होटल में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छॉलीवुड के संस्थापक डायरेक्टर सतीश जैन थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढी फिल्मों के सुपर डायरेक्टर मनोज वर्मा ने की। इस अवसर पर छत्तीसगढी एवं भोजपूरी फिल्म के निर्माता निर्देशक संतोष जैन तथा छॉलीवुड के बेस्ट एक्टर प्रदीप शर्मा एवं फिल्म की नायिका हेमा शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान निर्माता राजेश नायक एवं निर्देशक श्रीमंत बारीक ने फिल्म के विषय में विस्तृत जानकारी दी। वहीं प्रोडयूसर मंजिल जम्भुलकर ने फिल्म की होने वाले शूटिंग कहां कहां होगी इसकी पूरी जानकारी उपस्थितो को दी। इस दौरान फिल्म के नायक लक्षित झांजी, सक्षम नायक, छत्तीसगढ एवं भोजपूरी फिल्मों के एक्टर शमशीर सिवानी, निर्देशक पुरूराज साहू, चन्द्रशेखर चकोर, अभिनेत्री दीपिका सहित कई अभिनेता एवं अभिनेत्रियों के साथ छॉलीवुड से जुडे कई मशहूर हस्तियां मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छॉलीवुड के संस्थापक डायरेक्टर सतीश जैन ने कहा कि राजेश नायक छॉलीवुड के बहुत पुराने फिल्मकार है, उनको यहां के लोककला और लोक संस्कृति की पूरी जानकारी है, यही कारण है कि इनके फिल्मे गीत संगीत बेस्ट रहती है जो सीधे दर्शकों के दिल में उतरती है। राजेश नायक द्वारा निर्मित ये फिल्म मोर चिन्हारी भी गीत संगीत बेस्ड होने के साथ ही बहुत अच्छी फिल्म बनेगी। राजेश नायके के अनुभव का पूरा लाभ इस फिल्म को मिलेगा और दर्शकों के दिल पर यह फिल्म अमिट छाप छोड़ेगी एवं फिल्म सुपरहीट होगी ऐसी मेरी आशा है। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनोज वर्मा, विशिष्ट अतिथि संतोष जैन, प्रदीप शर्मा, हेमा शुक्ला ने भी संबोधित किये एवं अपनी शुभकमानाएं दिये। कार्यक्रम का संचालन छॉलीवुड के जाने माने एक्टर चन्द्रशेखर चकोर एवं आभार प्रदर्शन शमशीर सिवानी ने किया।

एआई तकनीक से वन और वन्यजीवों की होगी चौबीसों घंटे निगरानी

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम का ट्रायल शुरू, मानव-हाथी संघर्ष और वन्यजीव अपराधों की रोकथाम में मिलेगी मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम सामान्य सीसीटीवी कैमरों की तुलना में कहीं अधिक उन्नत और सक्रिय सुरक्षा समाधान हैं। यह कंप्यूटर विज़न और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करते हैं, जो वीडियो फुटेज का वास्तविक समय में विश्लेषण करके संभावित खतरों की पहचान करते हैं और तुरंत अलर्ट भेजते हैं।

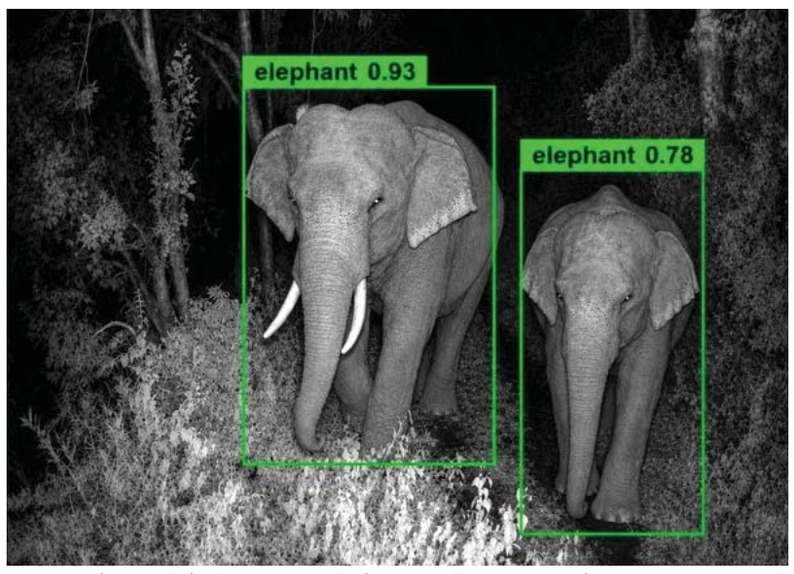

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और वन सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम का ट्रायल शुरू किया गया है। यह पहल वन्यजीवों की सुरक्षा, मानव-हाथी संघर्ष की रोकथाम तथा अवैध शिकार, लकड़ी तस्करी और अतिक्रमण जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दूरस्थ जंगलों पर रहेगी रियल-टाइम नजर

वन बल प्रमुख अरुण पांडेय, पीसीसीएफ (वन्यजीव) ओम प्रकाश यादव तथा क्षेत्र संचालक गुरुनाथन एन.जी. के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस परियोजना के तहत 70 से 80 फीट ऊंचे टावरों पर पी2पी (पीयर-टू-पीयर) मॉड्यूल और एआई कैमरे लगाए जा रहे हैं। इनकी मदद से दूरस्थ और दुर्गम वन क्षेत्रों में वन्यजीवों और संदिग्ध गतिविधियों की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। परियोजना का प्रारंभिक ट्रायल ओडिशा सीमा से लगे कुल्हाडीघाट, इंदागांव, रिसगांव, दक्षिण उदंती और पायलीखण्ड उत्तर उदंती रेंज में किया जा रहा है। ये क्षेत्र हाथियों और अन्य वन्यजीवों के प्रमुख आवागमन गलियारे हैं तथा अवैध वन्यजीव व्यापार, सागौन तस्करी, नशीले पदार्थों की तस्करी और अतिक्रमण की दृष्टि से भी संवेदनशील माने जाते हैं। एआई आधारित कैमरे एशियाई हाथी, बाघ, तेंदुआ और भालू जैसे प्रमुख वन्यजीवों की स्वत: पहचान कर सकेंगे। साथ ही शिकारी, लकड़ी तस्कर, अवैध घुसपैठिए और अतिक्रमणकारियों जैसी संदिग्ध मानव गतिविधियों का भी स्वत: पता लगाएंगे। यह पूरी प्रणाली पोर्टेबल होगी, जिससे आवश्यकता के अनुसार इसे अन्य स्थानों पर भी स्थापित किया जा सकेगा। जैसे ही किसी वन्यजीव या संदिग्ध व्यक्ति की पहचान होगी, सिस्टम तुरंत व्हाट्सएप के माध्यम से फ्रंटलाइन वन कर्मियों और अधिकारियों को सूचना भेजेगा। इससे मौके पर तेजी से कार्रवाई करना संभव होगा।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व पहले से ही थर्मल ड्रोन, उपग्रह चित्रों और गूगल अर्थ इंजन आधारित भू-स्थानिक विश्लेषण तकनीक का उपयोग वन्यजीव संरक्षण, अवैध शिकार की रोकथाम, अतिक्रमण की पहचान, वनाग्नि प्रबंधन और वन आवरण की निगरानी के लिए कर रहा है। नई एआई प्रणाली इन प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

रिजर्व ने पिछले चार वर्षों में 956 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है तथा 500 से अधिक तस्करों और शिकारियों की गिरफ्तारी की है। बेहतर संरक्षण और तकनीकी निगरानी के कारण यहां बाघ, हाथी, मालाबार पाइप हॉर्नबिल, भारतीय विशाल गिलहरी, उड़न गिलहरी, इंडियन पैराडाइज फ्लायकैचर, पेरेग्रीन फाल्कन, ऊदबिलाव और ट्राइकारिनेट हिल टर्टल जैसी दुर्लभ प्रजातियों का भी दस्तावेजीकरण हुआ है।

मध्य भारत में एआई आधारित संरक्षण की बड़ी पहल

यह स्मार्ट निगरानी नेटवर्क वन्यजीव गलियारों और संवेदनशील वन क्षेत्रों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना मध्य भारत में एआई आधारित संरक्षण तकनीक के सबसे उन्नत प्रयोगों में शामिल है और भविष्य में देश के अन्य संरक्षित क्षेत्रों के लिए भी एक मॉडल बन सकती है।

प्रत्येक टावर पर लगभग 3 लाख रुपये का खर्च

परियोजना के तहत स्थापित किए जाने वाले प्रत्येक टावर, पी2पी कनेक्टिविटी प्रणाली, एआई कैमरा, टावर संरचना और आवश्यक सिविल कार्यों पर लगभग 2.5 से 3 लाख रुपये की लागत आएगी। यह निवेश वन्यजीव संरक्षण, वन सुरक्षा और आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

दुर्गम क्षेत्रों में भी पहुंचेगा इंटरनेट नेटवर्क

इस परियोजना की खासियत यह है कि पीयर-टू-पीयर वायरलेस तकनीक के माध्यम से दूरस्थ जंगलों में भी इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी। मैनपुर क्षेत्र में उपलब्ध 4जी और 5जी नेटवर्क को 15 से 20 किलोमीटर दूर स्थित एंटी-पोचिंग कैंपों और वन चौकियों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे निर्बाध वीडियो स्ट्रीमिंग और रियल-टाइम निगरानी संभव होगी।

कम कर्मचारियों के बीच बनेगी बड़ी ताकत

वन विभाग में रिक्त पदों और सीमित मानव संसाधन की चुनौती को देखते हुए यह एआई आधारित निगरानी प्रणाली फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में काम करेगी। इससे गश्त की क्षमता बढ़ेगी, निगरानी में आने वाले अंतराल कम होंगे और संवेदनशील क्षेत्रों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा सकेगी।

अपने हाथों से गढ़ा सपनों का घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूसरों के लिए ईंट-पत्थरों से मजबूत घर बनाने वाले मिस्त्री श्यामसिंह चंद्रवंशी का सबसे बड़ा सपना था कि एक दिन उनके अपने परिवार के सिर पर भी पक्की और सुरक्षित छत हो। वर्षों तक सीमित आय और आर्थिक तंगी के कारण यह सपना अधूरा रहा, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने आखिरकार उनकी यह ख्वाहिश पूरी कर दी। मोहला विकासखंड के ग्राम गुहाटोला निवासी श्री श्यामसिंह चंद्रवंशी खेती के साथ मिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। लंबे समय तक उनका परिवार कच्चे मकान में रहने को मजबूर था।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मिली आर्थिक सहायता ने उनके सपनों को नई दिशा दी। खास बात यह रही कि वर्षों तक दूसरों के घर बनाने वाले श्यामसिंह ने अपना घर भी अपने ही हाथों से तैयार किया। वे कहते हैं, जब भी किसी के लिए पक्का मकान बनाता था, मन में यही इच्छा होती थी कि एक दिन मेरा भी अपना घर होगा। आज यह सपना साकार हो गया है।

अब उनका परिवार पक्के और सुरक्षित घर में सम्मान के साथ जीवन बिता रहा है। बरसात में छत टपकने का डर खत्म हो चुका है और बच्चों को पढ़ाई के लिए सुरक्षित वातावरण मिल गया है। श्यामसिंह मानते हैं कि यह मकान केवल चार दीवारी नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और उम्मीदों का साकार रूप है।

मोबाइल ट्री एटीएम से घर-घर पहुंचाए जा रहे मुफ्त पौधे

पहले ही दिन 300 लोगों को बांटे गए 400 फलदार पौधे, पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुकमा जिले को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को एक जनआंदोलन का रूप देने के लिए जिला प्रशासन और वनमंडल सुकमा ने एक बेहद अनोखी शुरुआत की है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार, जिले में मोबाइल ट्री एटीएम सेवा शुरू की गई है, जिसके माध्यम से अब लोगों के घरों और मोहल्लों तक नि:शुल्क पौधे पहुंचाए जा रहे हैं।

इस अभिनव पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को पौधारोपण से जोड़ना और उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। सोमवार को यह विशेष वाहन सुकमा नगर के पावारास और कुम्हाररास सहित विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों में पहुंचा। वाहन के पहुंचते ही स्थानीय निवासियों ने बेहद उत्साह के साथ इस अभियान में हिस्सा लिया। अभियान के पहले ही दिन नागरिकों का शानदार रिस्पॉन्स देखने को मिला। करीब 300 हितग्राहियों को 400 फलदार पौधे पूरी तरह मुफ्त वितरित किए गए। वितरण में मुख्य रूप से निम्नलिखित पौधों को शामिल किया गया, जिनमें कटहल, आम, अमरूद, जामुन, मुनगा (सहजन) शामिल हैं।

कलेक्टर श्री अमित कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान केवल पौधे वितरित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी विकसित कर रहा है। पौधा लगाना तो सिर्फ पहला कदम है, लेकिन उसकी नियमित देखभाल कर उसे पेड़ बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

जनभागीदारी से ही सुकमा बनेगा हरित और स्वच्छ

वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) अक्षय भोंसले ने जिलेवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि नागरिक अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की सक्रिय भागीदारी से ही सुकमा को पूरी तरह हरित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल जिला बनाया जा सकता है। मोबाइल ट्री एटीएम जैसी यह अनूठी पहल न सिर्फ लोगों को घर बैठे आसानी से पौधे उपलब्ध करा रही है, बल्कि पर्यावरण चेतना जगाने में भी कारगर साबित हो रही है। प्रशासन की इस सक्रियता और जनता के मिल रहे भारी सहयोग से जिले में हरित आवरण (ग्रीन कवर) बढ़ाने की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित होगा।

फसल विविधीकरण बना आर्थिक समृद्धि का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेती में समय के साथ बदलाव अपनाने का साहस कई बार ऐसी सफलता की कहानी लिख देता है, जो दूसरे किसानों के लिए प्रेरणा बन जाती है। सक्ती जिले के मालखरौदा विकासखंड के ग्राम दिमानी के प्रगतिशील किसान श्री दाऊ लाल ने भी कुछ ऐसा ही किया। वर्षों तक ग्रीष्मकालीन धान की खेती करने के बाद उन्होंने कृषि विभाग की सलाह पर उड़द की खेती अपनाई और कम समय में अधिक उत्पादन तथा बेहतर आय हासिल की।

दाऊ लाल के पास कुल 4.5 एकड़ कृषि भूमि है। पहले वे ग्रीष्मकालीन धान की खेती करते थे, जिसमें अधिक सिंचाई, बढ़ती लागत और मिट्टी की उर्वरता में कमी जैसी चुनौतियां सामने आती थीं। कृषि विभाग के दलहन, तिलहन एवं मक्का फसल प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत उन्होंने 2.5 एकड़ में कोटा उड़द-04 किस्म की बुवाई की। महज 70 दिनों में फसल तैयार हुई और उन्हें 15 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ।

उड़द की खेती में लगभग 22,500 रुपये की लागत आई, जबकि फसल बेचकर करीब 1.10 लाख रुपये की आय हुई। यानी कम लागत में अधिक लाभ मिला।

सबसे बड़ी बात यह रही कि धान की तुलना में सिंचाई के लिए बहुत ही कम पानी आवश्यकता पड़ी। साथ ही कीट एवं रोगों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम रहा, जिससे खेती का जोखिम और खर्च दोनों घट गए।

श्री दाऊ लाल का कहना है कि उड़द की खेती कम पानी, कम लागत और कम समय में बेहतर मुनाफा देने वाली फसल है। इस सफलता के बाद उन्होंने भविष्य में भी फसल चक्र अपनाते हुए दलहनी फसलों का रकबा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

कृषि विभाग के अनुसार जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन, तिलहन और मक्का जैसी वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नारायणपुर में राजस्व सर्वेक्षण से बदली ग्रामीणों की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्षों से अपनी ही जमीन पर खेती करने वाले, लेकिन उसके वैधानिक स्वामित्व से वंचित ग्रामीणों के लिए नारायणपुर में चल रहा राजस्व सर्वेक्षण अभियान नई उम्मीद लेकर आया है। अब उनकी जमीन केवल खेत नहीं, बल्कि अधिकार, पहचान और विकास का आधार बन रही है।

छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देश पर जिले के 246 असर्वेक्षित गांवों में तेजी से राजस्व सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिससे हजारों ग्रामीण परिवारों को पहली बार वैधानिक भूमि अधिकार मिलने का रास्ता साफ हो रहा है। इस अभियान के तहत अब तक हुच्चाकोट, गोर्रा, कुमगांव, हितुलवाड़, काडूलबेड़ा और मुरहापदर सहित छह गांवों का राजस्व सर्वेक्षण पूरा कर अंतिम अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं। इन अभिलेखों को भुइयां पोर्टल पर अपलोड भी कर दिया गया है, जिससे भूमि संबंधी जानकारी डिजिटल रूप से सुरक्षित और पारदर्शी हो गई है। वहीं कोडोली, कुंदला और चिलपरस गांवों के अभिलेख भी अपलोड के लिए शासन को भेजे जा चुके हैं।

जिले को 31 मार्च 2026 को नक्सल मुक्त घोषित किए जाने के बाद प्रशासन ने लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से कटे दुर्गम गांवों में सर्वेक्षण कार्य को नई गति दी। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राजस्व अमले ने ग्रामीणों के सहयोग से मसपी, मलमेटा, बड़ेकाल (कोंगे), दोड़गे (बोदुम), गोडाबेड़ा (मरसूलनापा), गोमे, कोंगे और बोगान सहित आठ गांवों में सफलतापूर्वक सर्वेक्षण पूरा किया। इन गांवों के सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े नक्शा तैयार करने के लिए आईआईटी रुड़की भेजे गए हैं। नक्शा तैयार होने के बाद सत्यापन कर अंतिम अभिलेख शासन को भेजे जाएंगे।

इस पहल का सबसे बड़ा लाभ उन किसानों और ग्रामीण परिवारों को मिलेगा, जो वर्षों से अपनी जमीन पर खेती तो कर रहे थे, लेकिन उनके पास भूमि का कोई वैधानिक रिकॉर्ड नहीं था। भूमि का स्वामित्व प्रमाणित होने के बाद वे आसानी से किसान पंजीयन, धान उपार्जन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), खाद-बीज वितरण सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी और सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच भी अधिक सरल होगी। राजस्व सर्वेक्षण अभियान केवल जमीन का रिकॉर्ड तैयार करने तक सीमित नहीं है। यह ग्रामीणों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत नींव भी बन रहा है। वैधानिक भूमि अधिकार मिलने से ग्रामीणों में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं। प्रशासन की यह पहल पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितैषी शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आई है।

रायपुर निगम के नए एल्डरमेन अनिल सोनकर ने ली पद की शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम में नव नामांकित पार्षद एल्डरमेन अनिल सोनकर ने सोमवार को पद की शपथ ली। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने कलेक्टर चेंबर में उन्हें ईश्वर के नाम सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में नगर निगम रायपुर के सभापति सूर्यकांत राठौड़, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पांडेय और निगम सचिव संगीता साहू उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़, अपर आयुक्त विनोद पांडेय और सचिव संगीता साहू ने नवनियुक्त एल्डरमेन अनिल सोनकर को बुके भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

सुनियोजित एवं जनोन्मुखी विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

आरडीए के नए उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने संभाला पदभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के नवनियुक्त उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने सोमवार को रायपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय में विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ओ.पी. चौधरी ने डॉ. जय प्रकाश शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रायपुर के सुनियोजित एवं समग्र विकास में रायपुर विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें विश्वास है कि डॉ. शर्मा के अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्राधिकरण की विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। समारोह में रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू ने कहा कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक अनुभव, चिकित्सा क्षेत्र में लंबे समय तक किए गए कार्य तथा सामाजिक सरोकारों का लाभ रायपुर विकास प्राधिकरण को मिलेगा। उनके नेतृत्व में प्राधिकरण की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहितकारी कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी। उन्होंने आरडीए के माध्यम से आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और राज्य शासन की जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप रायपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रायपुर शहर के सुनियोजित विकास, आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाओं तथा हितग्राही सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री राम प्रताप सिंह, रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अवनीश शरण सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

मॉडिफाइड साइलेंसर वाले बुलेट चालक पर 5,000 का चालान

भिलाई। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले एवं आम नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कल रात्रि गुरुद्वारा चौक में वाहन जांच के दौरान बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक CG07/BD-8498 में अवैध रूप से मॉडिद्धत्ताइड साइलेंसर लगा पाया गया। वाहन से अत्यधिक तेज आवाज के साथ चिंगारी भी निकल रही थी, जिससे अन्य वाहन चालकों एवं राहगीरों की सुरक्षा प्रभावित होने की संभावना थी। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के अंतर्गत 5000 का चालान किया गया। साथ ही मौके पर ही मॉडिफाइड साइलेंसर हटवाकर वाहन को निर्धारित मानकों के अनुरूप किया गया।

मकान के बाहर से चोरी हुई बाइक 48 घंटे में बरामद

जांजगीर। नैला पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी मामले का 48 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद की। 10 जुलाई 2026 को वीआईपी कॉलोनी निवासी ब्रजेश कुमार पाण्डेय ने होंडा लिवो बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में मुखबिर से सूचना मिली कि सकरेली निवासी विनय कुमार सूर्यवंशी उर्फ छोटु के पास बाइक है। टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने चोरी स्वीकार की और बताया कि बाइक दादी सती अस्पताल के पास छोड़ दी थी। पुलिस ने बाइक बरामद कर घटना में प्रयुक्त साइकिल भी जब्त की। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है।

शराब बेचने और तस्करी करने वाले 14 आरोपी पकड़े

भिलाई। जिले में नशे के खिलाफचल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन, तस्करी और बिक्री पर सख्त कार्रवाई करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 10 जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच उतई, नंदिनी नगर, सुपेला, पुलगांव, जामुल और पुरानी भिलाई के 13 अलग-अलग स्थानों पर सूचना के आधार पर दबिश दी गई। कार्रवाई में 392 पौवा अवैध शराब, शराब बिक्री से जुड़ी 40,280 रुपए जब्त किए।

चाकू दिखाकर डरा धमका रहा युवक हुआ गिरफ्तार

राजनांदगांव। टांकापारा रोड में चाकू लहराकर लोगों को डरा धमका रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि उन्हें फोन से सूचना मिली। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर टीम ने आरोपी अभिषेक शर्मा को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी से चाकू भी जब्त कर लिया गया है।

कार्रवाई : दुर्ग में पुरानी रंजिश को लेकर युवक की हत्या एक ही परिवार के 6 आरोपी गिरफ्तार

■ **घटना के 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त हथियार व सामग्री बरामद**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में एक दिन पहले हुई हत्या के मामले में पुलिस एक ही परिवार के 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर साक्ष्य सुरक्षित किए तथा नए आपराधिक कानूनों के अधिदेशानुसार एफएसएल विशेषज्ञों को बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज 12 घंटे के भीतर एक ही परिवार के सभी 6 आरोपियों को धर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ईंट, डंडे, चाकू और अपराध के समय पहने कपड़े बरामद किए गए। प्रकरण में धारा 103(1), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत वैधानिक कार्यवाही कर आरोपियों को न्यायालय प्रस्तुत किया गया।

बता दें 12 जुलाई 2026 को रात्रि लगभग 9:30 बजे कुन्दरा पारा जैतखाम के पास पुरानी रंजिश को लेकर अक्षय कोठारी, उनके भाई लेखराम कोठारी, गोपा उर्फ सूर्यदेव कोठारी और चाचा बल्ला उर्फ रोशन कोठारी पर कुछ लोगों नेलाठी, डंडे, ईंट व चाकू से प्राणघातक हमला किया गया। हमले में गंभीर चोटें आने के कारण लेखराम कोठारी की मृत्यु हो गई तथा अन्य परिजन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर थाना पद्मनाभपुर में अपराध धारा 103(1), 109(1), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नए वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों को संकलित किया गया। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना के 12 घंटे के भीतर घेराबंदी कर घटना में संलिप्त एक ही परिवार के सभी 6 आरोपियों को हिरासत में लिया, जिन्होंने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार किया।

तीन साल पहले जैतखाम में डंडा लगाने को लेकर हुआ था विवाद

आरोपियों का प्रार्थी पक्ष से लगभग तीन वर्ष पूर्व जैतखाम में झंडा लगाने की बात को लेकर पुराना विवाद था। इसी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से एक राय होकर, प्रार्थी व उसके परिजनों को घेर लिया। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से घातक हथियारों (चाकू, डंडे, ईंट) से ताबड़तोड़ हमला कर लेखराम कोठारी की बेरहमी से हत्या कर दी तथा अन्य परिजनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

उक्त त्वरित कार्यवाही में थाना पद्मनाभपुर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा नए कानून के प्रावधानों के तहत वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाते हुए प्रभावी विवेचना कर सभी 6 आरोपियों को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि अथवा संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को दें। आपसी वादों व रंजिशों को कानूनन सुलझाएं, कानून अपने हाथ में लेने वालों और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

- लक्ष्मी चेलक, पिता मेलाराम चेलक, उम्र 35 वर्ष, निवासी कुन्दरापारा पद्मनाभपुर।
- आकाश चेलक, पिता रामचंद्र, उम्र 26 वर्ष, निवासी कुन्दरापारा पद्मनाभपुर।
- सत्यम चेलक, पिता तारांदास, उम्र 33 वर्ष, निवासी कुन्दरापारा पद्मनाभपुर।
- खेलू चेलक, पिता रामचंद्र, उम्र 32 वर्ष, निवासी कुन्दरापारा पद्मनाभपुर।
- प्रकाश चेलक, पिता रामचरण, उम्र 29 वर्ष, निवासी कुन्दरापारा पद्मनाभपुर।
- देवचंद चेलक, पिता मेलाराम चेलक, उम्र 34 वर्ष, निवासी कुन्दरापारा पद्मनाभपुर।

धमतरी मेंअवैध रेत खनन पर खनिज विभाग की सख्त कार्रवाई

■ **दो दिन में 4 वाहन जप्त, अब तक 69.32 लाख रुपए का वसूला जुर्माना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग, पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें सख्त जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई कर रही हैं। अवैध सामग्री (रेत, गिट्टी आदि), भारी वाहन (डंपर, हाईवा, ट्रैक्टर) और मशीनें (जेसीबी) जब्त करने के साथ-साथ भारी अर्थदंड वसूला जाता है और एफआईआर दर्ज की जाती है। अवैध रूप से खनिज ले जाते पाए जाने पर खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत वाहनों को तुरंत जब्त कर कार्यवाही की जाती है।

धमतरी जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग के उड़नदस्ता दल ने पिछले दो दिनों में ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए अवैध रेत परिवहन में लिप्त 4 बड़े वाहनों को जप्त किया है। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष में अब तक नियमों का उल्लंघन करने वालों से करीब 70 लाख रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है।

खनिज विभाग को लगातार क्षेत्र में अवैध परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर के निर्देशानुसार त्वरित कार्रवाई की गई। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 12 और 13 जुलाई को जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान उड़नदस्ते ने ग्राम सारंगपुरी, खरेंगा, अमेठी, सरगी-दोनर, पाहंदा और आसपास के इलाकों की घेराबंदी की। जांच के दौरान अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर 4 वाहनों को रंगे हाथों पकड़ा गया। इन सभी जप्त वाहनों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के कड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर अर्थदण्ड की कार्रवाई की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 239 मामलों में कार्रवाई

खनिज माफियाओं के खिलाफ धमतरी प्रशासन का यह अभियान कितना सख्त है, इसका अंदाजा विभाग द्वारा जारी चालू वित्तीय वर्ष के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। 13 जुलाई 2026 तक कुल 239 प्रकरण दर्ज किया गया,जिसमें अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण शामिल है। इन प्रकरणों में 69 लाख 32 हजार 683 रुपये जुर्माना किया गया। जुर्माने की राशि शासकीय खनिज मद में जमा कराकर प्रकरणों का निराकरण (प्रशमन) कर दिया गया है। खनिज विभाग ने साफकर दिया है कि जिले में प्राकृतिक संपदा की चोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, उड़नदस्ता दल द्वारा नजर रखी जा रही है। आने वाले दिनों में अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कदम उठाए जाएंगे।

पिकनिक पर गया युवक औरापानी डेम में डूबा, 6 घंटे बाद मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने औरापानी जलाशय गए 32 वर्षीय युवक की सोमवार सुबह डूबने से मौत हो गई। नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया। साथियों ने उसे बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन कुछ ही पलों में वह पानी में लापता हो गया। सूचना पर पहुंची कोटा पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने करीब छह घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया।

दोपहर करीब एक बजे युवक का शव जलाशय से बाहर निकाला गया। नया सरकंडा गली नंबर-4 निवासी ऋषभ देव (32), सोमवार सुबह अपने दोस्तों अभिषेक जायसवाल दीनदयाल कॉलोनी, मंगला, राकेश साहू बृहस्पति बाजार, दीपक जायसवाल गांधी चौक, मधुबन, कुशल टेक्नो, डीपूपारा, तारबाहर और बिट्टू अली धुरीपारा, मंगला के साथ औरापानी पिकनिक मनाने गया था। सुबह करीब 6.30 बजे सभी दोस्त नहाने के लिए उतरे। इसी दौरान ऋषभ गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथियों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन बहाव के कारण वह देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और जलाशय में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। कई घंटे की तलाश के बाद दोपहर एक बजे शव पानी से बाहर निकाला गया।

रायगढ़ में महिला की संदिग्ध मौत, झाड़ियों में मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सोमवार की दोपहर एक महिला की अर्द्धनग्न अवस्था में संदिग्ध लाश मिली है। आसपास के लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के मस्जिदपारा में आज दोपहर झाड़ियों में अधेड़ महिला राजकुमारी चौहान 48 साल, की नग्न अवस्था में संदिग्ध लाश मिलने से मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर फारेंसिक टीम के अलावा पुलिस मौके पर पहुंची, जहां शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच के दौरान हत्या की आशंका जताई जा रही है। बीती रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद होनें की भी बात निकलकर सामने आ रही है।

बहरहाल इस मामलें में धरमजयगढ़ पुलिस का कहना है कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और मृतक के परिजनों के अलावा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नागपुर जा रही लाखों की बैटरियां जब्त, नाली में बहा रहे थे तेजाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शहर के व्यापार विहार इलाके से पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। गुंबर पेट्रोल पंप के पास स्थित अमरान बैटरी दुकान पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने सोमवार को दबिश देकर लाखों रुपए कीमत की प्रयुक्त लेड-एसिड बैटरियों से भरे मेटाडोर को जब्त किया है। इन बैटरियों का परिवहन बिना जीएसटी दस्तावेजों के किया जा रहा था। मामले में जीएसटी विभाग की कार्रवाई भी जारी है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि इस खतरनाक बैटरी अपशिष्ट को बिना किसी वैध दस्तावेज और अनुमति के नागपुर में खपाने की तैयारी थी। दुकान परिसर में रखी पुरानी बैटरियों को मेटाडोर क्रमांक सीजी 07 डीई 0986 में लोड किया जा रहा था। इसी दौरान बैटरियों से निकलने वाले बेहद खतरनाक और जहरीले एसिडयुक्त पानी को सीधे खुले नाले में बहाया जा रहा था। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि यहाँ लंबे समय से यह यह खेल चल रहा था। तेजाब की तीखी गंध से सांस लेना दूभर हो गया था। इसकी जानकारी मिलते ही पर्यावरण संरक्षण मंडल की टीम मौके पर पहुंची।

अधिकारियों ने जब परिवहन से जुड़े वैधानिक दस्तावेजों और नियमों की जांच की, तो मौके पर कोई वैध कागजात नहीं मिले। इसके बाद टीम ने तुरंत पूरी गाड़ी को जब्त कर लिया। प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है उपयोग की जा चुकी लेड-एसिड बैटरियां खतरनाक अपशिष्ट की श्रेणी में आती हैं।

इनका एसिड अगर खुले में बहे या मिट्टी में मिले, तो यह भूजल को जहरीला बना देता है। इससे इंसानों में त्वचा रोग, सांस की गंभीर बीमारियां और नर्वस सिस्टम को नुकसान का खतरा रहता है। सूत्रों के मुताबिक इन बैटरियों की बड़ी खेप को नागपुर के किसी कबाड़ या रिसाइक्लिंग प्लांट में भेजा जाना था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रदेशभर में सख्त कार्रवाई

■ **अवैध खनन में संलग्न वाहनों की जब्ती और जुर्माना वसूली जारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रदेशभर में सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खनिज विभाग, जिला प्रशासन, राजस्व विभाग तथा जिला टास्क फोर्स द्वारा सभी जिलों में कार्रवाई की जा रही है।

जांच के दौरान रेत, पत्थर, गिट्टी, मुरूम, मिट्टी, ईंट सहित विभिन्न लघु खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलग्न पाए जाने वाले वाहनों और मशीनों को नियमानुसार जब्त किया जा रहा है। संबंधित प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार अर्थदण्ड की वसूली भी सुनिश्चित की जा रही है।

इसी क्रम में सूरजपुर जिले में खनिज विभाग, राजस्व अमले एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने 13 जुलाई 2026 को भैयाथान के गंगोटी क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे चार हाईवा वाहनों को पकड़ा। जांच में इन वाहनों से 56 घन मीटर अवैध रेत का परिवहन पाया गया। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए चारों वाहनों को जब्त कर पुलिस थाना बसदेई में सुपुर्द किया गया तथा प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खनिज विभाग ने बताया कि प्रदेशभर में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप खनिज संपदा के संरक्षण, राजस्व की सुरक्षा तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी जिलों में नियमित निरीक्षण, संयुक्त जांच और सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

डीजीपी अरुण देव गौतम ने की दुर्ग रेंज की कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की समीक्षा

■ **आईटीएमएस का अवलोकन कर तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने के दिए निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-6, दुर्ग में पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम की अध्यक्षता में दुर्ग रेंज के अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों के राजपत्रित अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति, अपराध नियंत्रण की रणनीति, विवेचना की गुणवत्ता, तकनीक आधारित पुलिसिंग तथा आगामी कार्ययोजना की समग्र समीक्षा करना रहा।

बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा दुर्ग पुलिस की विगत एक वर्ष की उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण में गंभीर एवं संपत्ति संबंधी अपराधों के निराकरण, साइबर अपराधों की रोकथाम, मादक पदार्थों के विरुद्ध संचालित विशेष अभियान, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई, सामुदायिक पुलिसिंग, महिला एवं बाल सुरक्षा, सड़क सुरक्षा जागरूकता, आधुनिक तकनीक के उपयोग, पुलिस रिस्पांस सिस्टम की कार्यप्रणाली तथा जनविश्वास बढ़ाने हेतु किए गए विभिन्न नवाचारों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अपराध की विवेचना वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से की जाए, गंभीर अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। उन्होंने रोजनामचा का नियमित अध्ययन, अपराध प्रवृत्तियों का विश्लेषण, संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी तथा कानून-व्यवस्था की निरंतर समीक्षा पर विशेष बल दिया।

उन्होंने निर्देश दिए कि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों एवं स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान संचालित किए जाएं। महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं कमजोर वर्गों से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई एवं पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया जाए। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तकनीकी दक्षता बढ़ाने, डिजिटल साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग तथा आम नागरिकों में साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया।

पुलिस महानिदेशक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक कल्याण, तनाव प्रबंधन, नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन तथा टीमवर्क को भी प्रभावी पुलिसिंग का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए इस दिशा में निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति विनम्र, संवेदनशील, पारदर्शी एवं उत्तरदायी व्यवहार पुलिस की सबसे बड़ी पहचान है तथा प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को इसी भावना के साथ कार्य करना चाहिए।

समीक्षा बैठक के उपरांत पुलिस महानिदेशक ने पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में स्थापित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें शहर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों, ऑटोमेटेड ट्रैफिक मॉनिटरिंग, डिजिटल प्रवर्तन प्रणाली, ई-चालान व्यवस्था, यातायात विश्लेषण एवं नियंत्रण तंत्र की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाए, यातायात नियमों का प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित किया जाए तथा तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग के माध्यम से आम नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

आर्थिक सशक्तिकरण की नई पहचान बनी महतारी वंदन योजना

29 किस्तों में महिलाओं के खातों में पहुंचे 18,805 करोड़ रुपये से अधिक, आत्मनिर्भरता और सम्मान का बढ़ा विश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना एक ऐतिहासिक पहल के रूप में स्थापित हो चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित यह योजना महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दे रही, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सम्मानजनक जीवन जीने की नई शक्ति भी प्रदान कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहे हैं।

11 जुलाई 2026 को योजना की 29वीं किस्त जारी होने के साथ ही प्रदेश की लाखों पात्र महिलाओं के बैंक खातों में एक-एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे अंतरित की गई। योजना के प्रारंभ से अब तक 29 किस्तों के माध्यम से 18 हजार 805 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को सीधे उनके खातों में उपलब्ध कराई जा चुकी है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल मिलने से वे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में प्रभावी भागीदारी निभा रही हैं और अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं।

प्रदेशभर से मिल रही प्रतिक्रियाएं इस योजना की सफलता की सशक्त कहानी कह रही हैं। बालोद जिले की ग्राम बघमरा निवासी श्रीमती देवकी विश्वकर्मा योजना से प्राप्त राशि का उपयोग घरेलू खर्च, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों की खरीद तथा सिलाई-कढ़ाई के कार्यों में करती हैं।श्रीमती जामवंती विश्वकर्मा बताती हैं कि यह राशि उनके परिवार के लिए हर महीने एक मजबूत आर्थिक सहारा बन गई है। वहीं श्रीमती राधिका सोनवानी कहती हैं कि योजना की सहायता से वे अपने बच्चों की स्कूल फीस समय पर जमा कर पा रही हैं, जिससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। जशपुर जिले की श्रीमती ज्योति पांडेय के अनुसार अब उन्हें छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। श्रीमती रेहाना खातून ने योजना से मिली राशि के सहारे अपना छोटा घरेलू व्यवसाय शुरू किया और आज वे स्वयं आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। श्रीमती कविता शर्मा और श्रीमती अंजू शर्मा का कहना है कि नियमित सहायता राशि ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास दिया है तथा सम्मानपूर्वक जीवन जीने का नया आधार प्रदान किया है।

इसी प्रकार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम डुमरिया की श्रीमती बसंती धुर्वे बताती हैं कि महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त मिलने से घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में काफी सहायता मिली है। उनका मानना है कि यह योजना महिलाओं को केवल आर्थिक सहयोग नहीं देती, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देती है।

योजना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली सहायता राशि उनके हाथों में आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत कर रही है। इससे परिवारों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है तथा छोटे-छोटे स्वरोजगार और बचत की संस्कृति को भी प्रोत्साहन मिला है। प्रदेश की लाखों लाभार्थी महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि महतारी वंदन योजना उनके जीवन में सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा का नया आधार बनी है।

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छाप: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री को भेंट की बस्तर की ढोकरा ट्री ऑफ लाइफ शिल्पकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि उस समय दर्ज हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को छत्तीसगढ़ के बस्तर की विश्वविख्यात ढोकरा ट्री ऑफ लाइफ (जीवन वृक्ष) धातु शिल्पकृति भेंट की। प्रधानमंत्री की इस विशिष्ट कूटनीतिक सौगात ने न केवल बस्तर की हजारों वर्ष पुरानी जनजातीय कला को वैश्विक पहचान दिलाई है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक शिल्प कौशल और आदिवासी विरासत को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है।

यह अवसर पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। राज्य की जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराएं और पारंपरिक हस्तशिल्प आज वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को भेंट के लिए बस्तर की ढोकरा शिल्पकृति का चयन इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की लोककला आज विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं और पारंपरिक शिल्पों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से कलाकारों तथा शिल्पकारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम है कि आज बस्तर की ढोकरा कला जैसी पारंपरिक विरासत वैश्विक कूटनीतिक उपहार का हिस्सा बनकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा रही है।

संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ भी राज्य की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन और प्रचार-प्रसार के लिए लगातार प्रयासरत है। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में विभाग लोककला, जनजातीय परंपराओं और पारंपरिक शिल्प को नई पीढ़ी से जोड़ने तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में अनेक पहल कर रहा है। ढोकरा शिल्पकृति का वैश्विक स्तर पर सम्मानित होना इन प्रयासों की सार्थकता को भी रेखांकित करता है। बस्तर की ढोकरा कला विश्व की सबसे प्राचीन धातु शिल्प परंपराओं में से एक मानी जाती है। इसका निर्माण लॉस्ट वैक्स कास्टिंग अर्थात मोम सांचा ढलाई तकनीक से किया जाता है, जिसे विश्व की सबसे पुरानी धातु ढलाई विधियों में शामिल किया जाता है। कुशल जनजातीय शिल्पकार प्रत्येक कलाकृति को पूरी तरह हाथ से तैयार करते हैं, इसलिए हर शिल्पकृति अपनी बनावट, सौंदर्य और कलात्मक अभिव्यक्ति में अद्वितीय होती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित यह शिल्प परंपरा बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा और जनजातीय जीवन-दर्शन का जीवंत स्वरूप है।

प्रधानमंत्री द्वारा भेंट की गई ट्री ऑफ लाइफ (जीवन वृक्ष) शिल्पकृति केवल एक कलात्मक वस्तु नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की भावना का सशक्त प्रतीक है। यह परस्पर जुड़ाव, नवजीवन, समृद्धि और मानव तथा प्रकृति के बीच संतुलन का संदेश देती है। भारतीय परंपरा में यह कल्पवृक्ष की अवधारणा का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं न्यूजीलैंड के माओरी समुदाय की व्हाकापापा की अवधारणा से भी सामंजस्य स्थापित करती है, जो जीवन, प्रकृति और वंश परंपरा के गहरे संबंध को व्यक्त करती है। इस प्रकार यह शिल्पकृति सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक मानवीय मूल्यों का भी प्रतीक बन गई है।

बस्तर की ढोकरा कला केवल हस्तशिल्प नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, लोकविश्वास, प्रकृति के प्रति सम्मान और सतत जीवनशैली की अभिव्यक्ति है। यह कला स्थानीय शिल्पकारों की आजीविका को सशक्त बनाते हुए पर्यावरण-अनुकूल हस्तनिर्मित उत्पादों की परंपरा को भी आगे बढ़ाती है। प्रत्येक कलाकृति में जनजातीय समाज की सृजनात्मकता, प्रकृति से आत्मीय संबंध और सांस्कृतिक निरंतरता की झलक दिखाई देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस शिल्पकृति को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक उपहार के रूप में चयनित किया जाना छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक शक्ति की वैश्विक स्वीकार्यता का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

इससे राज्य के जनजातीय कलाकारों और शिल्पकारों का उत्साह बढ़ेगा, स्थानीय हस्तशिल्प को नए बाजार मिलेंगे तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और जनजातीय विरासत को विश्वभर में नई पहचान प्राप्त होगी।

बस्तर की ढोकरा ट्री ऑफ लाइफ शिल्पकृति आज केवल एक उपहार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता, जनजातीय गौरव, पारंपरिक शिल्प कौशल और भारत की अमूल्य विरासत का ऐसा वैश्विक दूत बन गई है, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का नाम और अधिक गौरवपूर्ण ढंग से स्थापित कर दिया है।

जेलों में बंदियों के पुनर्वास की दिशा में प्रभावी पहल कौशल प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की नई राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बंदियों के पुनर्वास एवं उन्हें सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में कौशल विकास आधारित पहलें लगातार सशक्त हो रही हैं। इसी क्रम में सूरजपुर जिला जेल में सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा 13 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें 35 बंदियों ने अगरबत्ती, साबुन एवं हैंडवॉश निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। 2 जुलाई से 13 जुलाई तक संचालित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बंदियों में उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा रिहाई के बाद उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उत्पाद निर्माण की तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, विपणन, वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग प्रक्रियाओं तथा विभिन्न शासकीय स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस सभी 35 प्रतिभागियों का लिखित एवं प्रायोगिक मूल्यांकन किया गया तथा सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

जिला जेल अधीक्षक ने कहा कि इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और आत्मनिर्भर बनने की भावना विकसित करते हैं। वहीं आरसेटी के निदेशक ने बताया कि संस्थान केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रिहाई के बाद बैंक लिंकेज, ऋण सुविधा तथा दो वर्षों तक हैंडहोल्डिंग सहायता उपलब्ध कराकर स्वरोजगार स्थापित करने में भी सहयोग करता है। उन्होंने बताया कि अगरबत्ती एवं साबुन निर्माण जैसे लघु उद्योगों के माध्यम से प्रशिक्षित व्यक्ति प्रतिमाह लगभग 15 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकते हैं।

राज्य में कौशल विकास एवं पुनर्वास आधारित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों को नई दिशा देने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सूडा के नए सीईओ सुमीत अग्रवाल ने संभाला कार्यभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शहरी विकास अभिकरण के नए सीईओ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2021 बैच के अधिकारी सुमीत अग्रवाल ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने नवा रायपुर में इंद्रावती भवन स्थित सूडा मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद सूडा और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी ली। श्री अग्रवाल इससे पहले दुर्ग नगर निगम के आयुक्त के रूप में कार्यरत थे।

सूडा के नए सीईओ सुमीत अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों से कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों का समग्र विकास और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुँचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

हम सभी विभागीय अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए काम करेंगे। उनके कार्यभार ग्रहण करने के दौरान सूडा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुष्यंत कुमार रायस्त, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, उप संचालक अर्पिता पाठक, अधीक्षण अभियंता रमेश सिंह, सूडा के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील अग्रहरि और सचित कुमार साहू सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना बनी सहारा

रायपुर। सीमित आय, रोज़ की मजदूरी और परिवार की बढ़ती जरूरतों के बीच जीवनयापन कर रहे सक्ती जिले के ग्राम नंदौर कला के दयाराम सतनामी के परिवार के लिए राज्य सरकार की भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना नई उम्मीद लेकर आई है। इस योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती दी है और भविष्य के प्रति भरोसा बढ़ाया है। अपनी कृषि भूमि नहीं होने के कारण वे वर्षों से मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते रहे हैं। जरूरतें और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए चुनौती बना रहता था।

नक्सल मामलों में निरुद्ध लोगों के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए शासन प्रतिबद्ध - विजय शर्मा

जनहानि रहित मामलों की होगी साप्ताहिक समीक्षा, लंबित न्यायालयीन मामलों में भी तेज होगी प्रक्रिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार नक्सल मामलों में जेल में बंद ऐसे लोगों के प्रकरणों के त्वरित निराकरण और रिहाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिनके खिलाफकोई गंभीर जनहानि का मामला दर्ज नहीं है।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर क्षेत्र से आए जनप्रतिनिधियों, नक्सल प्रकरणों में निरुद्ध लोगों के परिजनों, नक्सल पीड़ितों तथा युवाओं से आज विधानसभा में मुलाकात कर नक्सल प्रकरणों के निराकरण और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नक्सल मामलों में जेल में निरुद्ध लोगों के प्रकरणों की शीघ्र और न्यायसंगत समीक्षा और सभी की जल्द रिहाई के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है तथा प्रत्येक पात्र मामले में विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि 10 जुलाई को मंत्रालय में गृह विभाग के प्रमुख सचिव, संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर संभाग के सभी 12 जिलों के संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित कर नक्सल प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा चुकी है। बैठक में सभी लंबित प्रकरणों को दो श्रेणियों में विभाजित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। एक जिनमें जनहानि हुई हैं तथा दूसरे वे प्रकरण जिनमें जनहानि नहीं हुई है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि जिन मामलों में जनहानि नहीं हुई है, उनकी समीक्षा संबंधित जिलों पुलिस अधीक्षक प्रत्येक सप्ताह अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं की टीम के साथ करेंगे, ताकि ऐसे मामलों का शीघ्र निराकरण कर पात्र लोगों को राहत मिल सके। इसके लिए अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं की टीम बनाई गई है। वहीं जिन मामलों में जनहानि हुई है और न्यायालय में प्रकरण लंबित हैं, उनमें चालान प्रस्तुत करने, गवाही की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा न्यायालयीन प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिन प्रकरणों में गंभीर धाराएं लगी हैं उनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया जाएगा।

श्री शर्मा ने कहा कि यदि किसी अभियुक्त के परिजन अपने प्रकरण की समीक्षा कराना चाहते हैं तो वे संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक को आवेदन दे सकते हैं। ऐसे आवेदनों का अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं की टीम द्वारा विधिसम्मत परीक्षण किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवादी हिंसा ने बस्तर सहित अनेक क्षेत्रों को वर्षों तक प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब इन क्षेत्रों में सामान्य आवाजाही भी कठिन थी, लेकिन आज स्थिति तेजी से बदल रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में अत्यंत नक्सल प्रभावित रहे किसकोड़ो गांव के दौरे के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि वे अब पहली बार वास्तविक आजादी का अनुभव कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कबीरधाम क्षेत्र में भी माओवादी गतिविधियों का प्रभाव रहा है और उन्होंने स्वयं उस दौर को निकट से देखा है। इस दौरान युवाओं ने अपनी व्यथाओं को भी उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखा, जिसपर उप मुख्यमंत्री ने सभी के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक धरमलाल कौशिक, नीलकंठ टेकाम, विक्रम उसेंडी, कवासी लखमा, विक्रम मंडावी सहित बस्तर क्षेत्र के अनेक युवा उपस्थित थे।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ कर जैविक खेती अपनाने का आग्रह

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बस्तर में शांति, विकास और विश्वास का वातावरण मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बस्तर के युवाओं से विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का आह्वान करते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से बचते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया तथा कहा कि बस्तर के जैविक उत्पादों को एनपीओपी के तहत प्रमाणित कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में भू-अभिलेखों के आधुनिकीकरण को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर जिले में 15 जुलाई से शुरू होगा नक्शा नवीनीकरण अभियान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में राजस्व सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सटीक और जनहितैषी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जशपुर जिले में 15 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक व्यापक नक्शा नवीनीकरण अभियान संचालित किया जाएगा।

कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए नक्शा नवीनीकरण रोस्टर जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के तहत जिले के 27 राजस्व निरीक्षक मंडलों में पुराने एवं जीर्ण-शीर्ण नक्शों का परीक्षण एवं नवीनीकरण किया जाएगा। इस दौरान 766 राजस्व ग्रामों की कुल 2456 नक्शा शीटों का परीक्षण किया जाएगा, जिनमें 214 राजस्व ग्रामों की 710 क्षतिग्रस्त नक्शा शीटों का नवीनीकरण किया जाएगा। प्रत्येक राजस्व निरीक्षक मंडल के लिए अलग-अलग रोस्टर और समय-सीमा निर्धारित की गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 जुलाई से मनोरा एवं आस्ता मंडलों से अभियान की शुरुआत होगी। इसके बाद चरणबद्ध रूप से जशपुर, लोदाम, आरा, कुनकुरी, नारायणपुर, गोरिया, दुलदुला, सिमड़ा, फरसाबहार, तपकरा, कोल्हेनझरिया, बगीचा, बिमड़ा, कुर्रोंग, सरबकोम्बो, सन्ना, पंडरापाठ, कांसाबेल, दोकड़ा, पत्थलगांव, केराकछार, तमता, लुड़ेग, बागबहार तथा कोतबा राजस्व निरीक्षक मंडलों में 30 सितंबर तक अभियान पूर्ण किया जाएगा। कलेक्टर रोहित व्यास ने सभी राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों को रोस्टर के अनुरूप समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रत्येक माह की प्रगति रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, छत्तीसगढ़ को प्रेषित करने तथा नक्शा नवीनीकरण के दौरान अभिलेखों की शुद्धता, पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में संपूर्ण कार्य संपादित होगा। संबंधित पटवारियों को नियमानुसार आवश्यक संशोधन दर्ज करते हुए सभी अभिलेखों का विधिवत संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह अभियान भू-अभिलेखों के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इससे भूमि अभिलेख अधिक सटीक, अद्यतन एवं पारदर्शी बनेंगे, जिससे सीमांकन, नामांतरण, भू-अभिलेख सुधार सहित अन्य राजस्व संबंधी कार्यों का त्वरित, सरल और प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित हो सकेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950